RNI-CHHBIL/2022/82492

हरितांजलि एक्सप्रेस

■ वर्ष-1 ■ अंक-8 रायपुर, जनवरी 2023 हिन्दी/अंग्रेजी मासिक रायपुर से प्रकाशित पृष्ठः 32, मूल्य 35/- रुपए

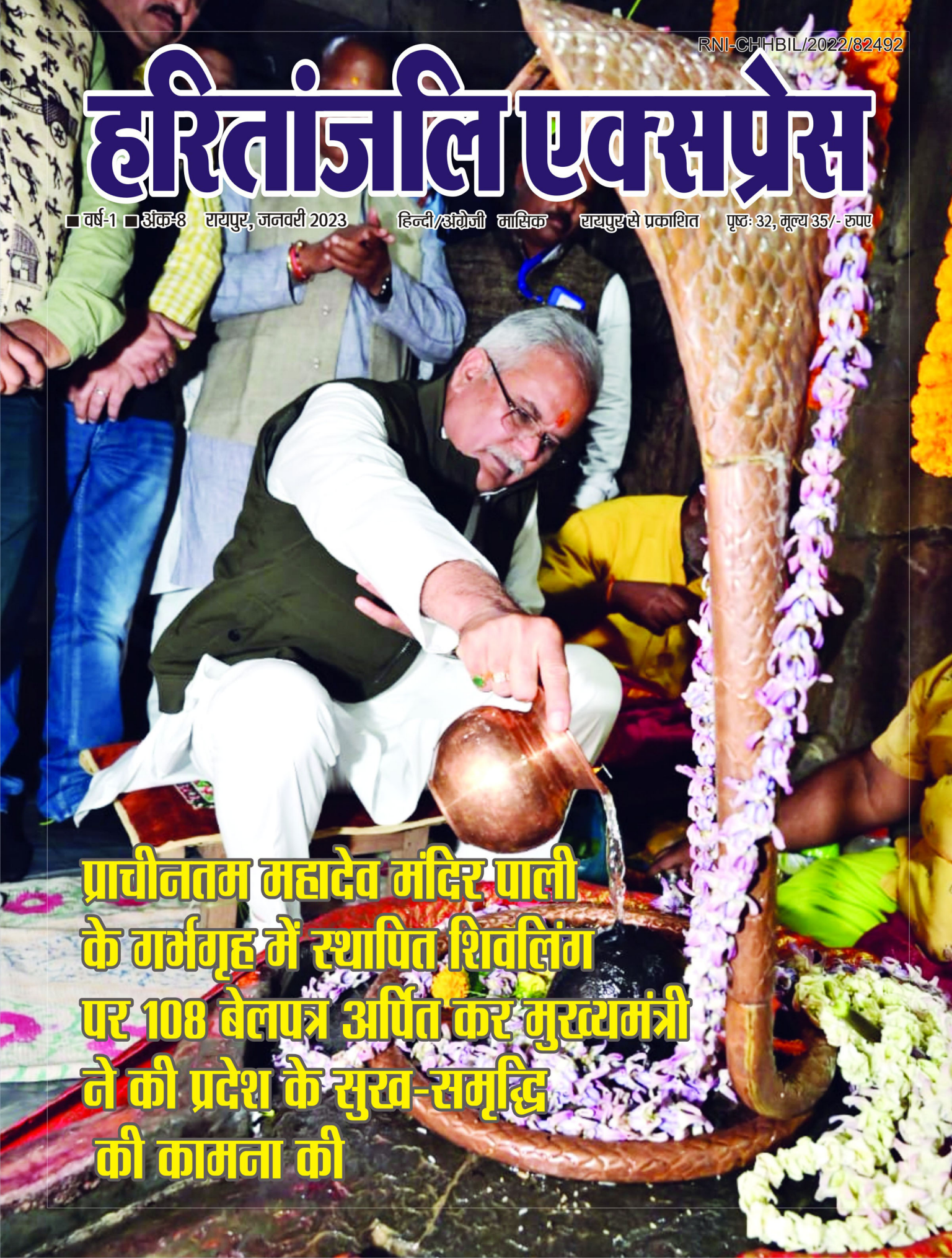

प्राचीनतम महादेव मंदिर पाली के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग पर 108 बेलपत्र अर्पित कर मुख्यमंत्री ने की प्रदेश के सुख-समृद्धि की कामना की

DK MOTORS

Electric Vehicles Division
Sales Service & Parts

E-FUTURE

Finance | Exchange Offer | Test Drive

Full Chowk, Raipur (C.G.)
Shworoom No. 7713597784

हरितांजलि एक्सप्रेस

RNI. CHHBIL/2022/82492

हिन्दी/अंग्रेजी
मासिक पत्रिका
● वर्ष-1 ● अंक- 8
जनवरी 2023 (मासिक)
रायपुर (छत्तीसगढ़)

- संपादक
  श्रीमती सीमा दुबे
- सलाहकार संपादक मंडल
- अमरधारी मिश्रा
- नवीन दुबे
- विधिक सलाहकार
  भरत सोनी (अधिवक्ता)
- तकनीकी सलाहकार मंडल
  आशीष मिश्रा, मनीष मिश्रा
- साज-सज्जा
  महिमा कम्प्यूटर, रायपुर

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक **सीमा दुबे** द्वारा मिशन मीडिया प्रा.लि. छत्तीसगढ़ भवन, रजबंधा मैदान, जिला-रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रितकर बजरंग नगर, राधेश्याम आटा चक्की के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन नं. 492001 से प्रकाशित.
संपादक -**सीमा दुबे** -मोबाईल-9424214250

Email-seema.dubey1824@gmail.com

सोच

50 लाख टन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता

संकेत यह है कि ये उन कंपनियों को सब्सिडी देने के लिए होगी, जो ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में निवेश करेंगी। इस तरह सेमीकंडक्टर और अन्य क्षेत्रों में निजी क्षेत्र को सार्वजनिक धन देने का ट्रेंड और आगे बढ़ेगा।

बीते हफ्ते केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी। ग्रीन हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 19,744 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। सरकारी तौर पर बताया गया कि इस मिशन के 19,744 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी गई है। इस भाषा का संकेत यह है कि ये उन कंपनियों को सब्सिडी देने के लिए होगी, जो इस क्षेत्र में निवेश करेंगी। इस तरह सेमीकंडक्टर और अन्य क्षेत्रों में निजी क्षेत्र को सार्वजनिक धन देने का जो ट्रेंड हाल में व्यवहार में आया है, वह और आगे बढ़ेगा। अभी तक इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि इस तरह के प्रोत्साहन से लगने वाले उद्यमों पर क्या किसी प्रकार का सार्वजनिक नियंत्रण होता है? यह सीधे तौर पर करदाताओं का धन निजी कंपनियों को देने और उनकी समृद्धि को ही देश का विकास मानने की सोच का हिस्सा है? दुनिया के कई देशों में ऐसी योजनाएं पहले अमल में लाई गई हैं। लेकिन उनसे वहां के आम जन का कोई हित सधा है, इस बात के कोई प्रमाण नहीं हैं।

बहरहाल, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत यह उम्मीद जोड़ी गई है कि भारत 2030 तक 50 लाख टन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता का लक्ष्य हासिल कर लेगा। सरकार का कहना है कि इस फैसले से जीवाश्म ईंधन जैसे कच्चा तेल, कोयला आदि के आयात में एक लाख करोड़ रुपये तक की कमी का अनुमान है। इसके अलावा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में पांच करोड़ टन की कमी आएगी। इस मिशन का मकसद पेट्रोल-डीजल जैसे जीवश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करते हुए देश को स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन का केंद्र बनाना है। योजना सफल होने पर लोगों को महंगे पेट्रोल और डीजल का विकल्प मिल जाएगा। यह बात ठीक है कि ग्रीन हाइड्रोजन एक तरह की स्वच्छ ऊर्जा है। इसे नवीकरणीय ऊर्जा की मदद से इलेक्ट्रोलिसिस के जरिए बनाया जाता है और इसे बनाने की प्रक्रिया पूरी तरह से कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन से मुक्त होती है। मगर प्रश्न यही है कि निजी क्षेत्र की कंपनियों को ऐसे प्रयास में जोड़ने के लिए क्या सब्सिडी देना ही एकमात्र उपाय है?

संपादक की कलम से

वरुण गांधी के पास क्या विकल्प हैं?

वरुण या मेनका के पास पार्टी संगठन में कोई पद नहीं है, जबकि वरुण भाजपा के सबसे युवा महामंत्री रहे हैं। तभी सवाल है कि अब वे आगे क्या करेंगे? पिछले दिनों उन्होंने कहा कि वे न कांग्रेस के खिलाफ हैं और न नेहरू के खिलाफ हैं।

भाजपा के पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के सबसे सधे हुए और वस्तुनिष्ठ आलोचक के तौर पर उभरे हैं। वे अनाप-शनाप बोल कर राजनीतिक हमला करने की बजाय रचनात्मक आलोचना कर रहे हैं। वे सरकार की नीतियों को लेकर सवाल उठा रहे हैं, चिट्ठी लिख रहे हैं और अखबारों में लेख लिख रहे हैं। उन्होंने हाल में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख भाई मंडाविया को चिट्ठी लिख कर कहा कि 'दुर्लभ बीमारियों' की स्थिति में नागरिकों को 10 लाख रुपए की मदद देने की केंद्र सरकार की योजना का लाभ आज तक किसी को नहीं मिला है, जबकि कितने बच्चे और बड़े लोग दुर्लभ बीमारियों का शिकार हुए हैं। वे किसानों के मसले पर भी लगातार मुखर रहे हैं।

तभी यह माना जा रहा है कि भाजपा में उनके लिए रास्ते बंद हो गए हैं। उनकी मां और सुल्तानपुर से भाजपा सांसद मेनका गांधी को पहले ही मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था। वरुण या मेनका के पास पार्टी संगठन में कोई पद नहीं है, जबकि वरुण भाजपा के सबसे युवा महामंत्री रहे हैं। तभी सवाल है कि अब वे आगे क्या करेंगे? पिछले दिनों उन्होंने कहा कि वे न कांग्रेस के खिलाफ हैं और न नेहरू के खिलाफ हैं। क्या इससे कांग्रेस में उनके लिए रास्ता खुलता है? इस बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा कि उनको दिक्कत नहीं है लेकिन भाजपा वरुण के लिए मुश्किल पैदा करेगी।

सवाल है कि अगर वे भाजपा छोड़ कर कांग्रेस में चले जाते हैं तो भाजपा क्या मुश्किल पैदा करेगी? वे खुद ही यह सुनिश्चित करने में लगे हैं कि भाजपा अगली बार उनको और मेनका गांधी को टिकट नहीं दे। अगर वे कांग्रेस के साथ मिल कर लड़ते हैं तो उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी वाड्रा को एक मजबूत सहयोगी मिलेगा और देश के सबसे बड़े राज्य में कांग्रेस को मजबूत आधार मिल जाएगा। उनके सामने क्षेत्रीय पार्टी में जाने का विकल्प भी है। लेकिन उनकी पृष्ठभूमि और राजनीतिक कद के लिहाज से किसी क्षेत्रीय पार्टी में उनकी जगह नहीं बनेगी और न वहां उनकी महत्वाकांक्षा पूरी हो सकेगी। तीसरा विकल्प अपनी पार्टी बनाने का है। लेकिन उसके लिए समय कम बचा है। इन तीनों में से उनको जल्दी ही कोई विकल्प चुनना होगा।

प्राचीनतम महादेव मंदिर पाली के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग पर 108 बेलपत्र अर्पित कर मुख्यमंत्री ने की प्रदेश के सुख-समृद्धि की कामना की

महादेव मंदिर के द्वार शाखा के अधोभाग में गंगा, जमुना और शेव द्वारपालों का अंकन

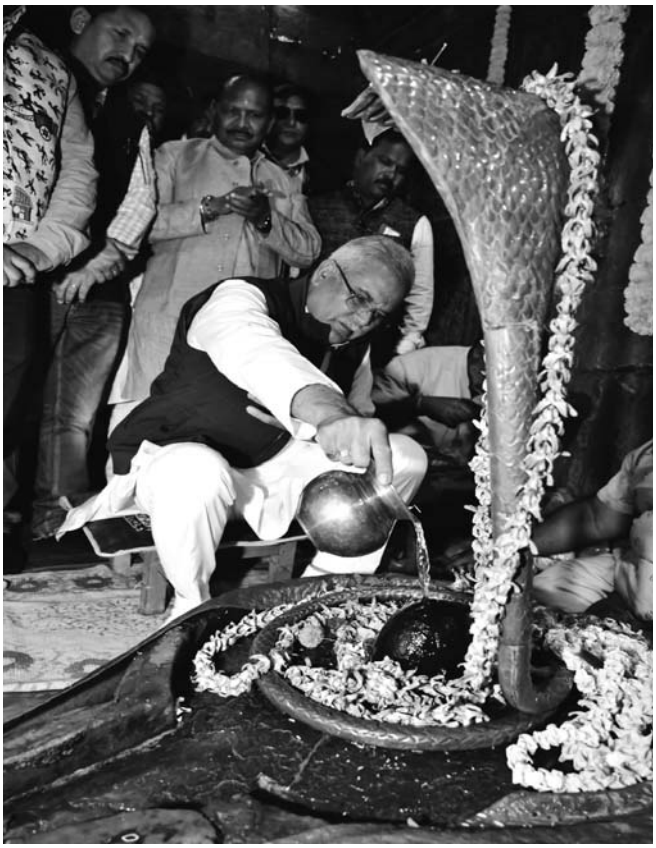

रायपुर. आज मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल विधानसभा पाली-तानाखार के प्राचीनतम महादेव के मंदिर पहुंचे थे। जहां उन्होंने 108 बेलपत्र मंदिर के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग पर अर्पित कर प्रदेश वासियों के लिए सुख एवं समृद्धि की कामना की। मंदिर के पुजारी और पुरातत्व विभाग के केयरटेकर शिव मंदिर के संबंध में जानकारी ली।पुरातत्व विभाग के केयरटेकर ने बताया कि मंदिर की प्रमुख विशेषताओं में से एक मंदिर के द्वार शाखा के अधोभाग में गंगा ,जमुना और शेव द्वारपालों का अंकन है। देवी गंगा का वाहक प्रतीक मगरमच्छ और यमुना देवी के वाहक प्रतीक कछुआ है। जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा यह महादेव मंदिर ना केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है बल्कि अनेकता में अखंडता का संदेश भी दे रहा है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति धनाढ्य है जिसका जीवित उदाहरण पाली में स्थापित यह महादेव मंदिर है।

द्वार शाखा पर उत्कीर्ण एक अभिलेख के अनुसार इस मंदिर का निर्माण बाण राजवंश के राजा विक्रमादित्य ने 870-900 ई. पूर्व के मध्य कराया था। इस मंदिर का जीर्णोद्धार लगभग 200 वर्षों के पश्चात रतनपुर के कलचुरी राजा जाजल्लदेव द्वारा करवाया गया। लगभग 3 फीट ऊंचे चबूतरे पर निर्मित यह मंदिर उत्तर भारतीय नागर शैली का प्रतिनिधित्व करता है। गर्भगृह की बाह्य दीवारों पर भद्र रथ में व्दि तलीय कुलिकाओं का समायोजन किया गया है। मंदिर के गर्भगृह का प्रवेश द्वार त्रिशाखा प्रकार का एवं विभिन्न अभिप्राय से सुसज्जित है। गर्भ ग्रह में शिवलिंग स्थापित है जिसके बाह्य भित्तियों पर उत्कीर्ण देव प्रतिमाओं में नटराज, वायुमुंडा, सूर्य,शिव वाहिनी दुर्गा एवं सरस्वती उल्लेखनीय है। गर्भगृह के सामने अष्टकोण मंडप है। स्थापत्य की दृष्टि से संभवत: यह स्थापतियों का दक्षिण कौशल क्षेत्र में एक नया प्रयोग था, को की अष्टकोणीय आकार के मंडप तत्कालीन समय में इस क्षेत्र में प्रस्तुत नहीं थे।

वन अधिकार पट्टाधारी 28 बैगा कृषकों को प्रदाय किया गया सब्जी मिनी कीट

मुंगेली. कलेक्टर श्री राहुल देव के मार्गदर्शन में अचानकमार क्षेत्र के सुंदूर वनांचल ग्रामों के वन अधिकार पट्टाधारी बैगा कृषकों के आर्थिक उत्थान एवं विकास के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में कल 13 जनवरी को आदिवासी विकास विभाग के सहयोग से उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग द्वारा ग्राम बिजराकछार के 28 वन अधिकार पट्टाधारी बैगा कृषकों को 28 पैकेट सब्जी मिनी कीट, 616 फलदार पौधे, 840 किलो ग्राम वर्मी खाद एवं 56 लीटर ब्रम्हास्त्र जैविक कीटनाशक का वितरण किया गया। उद्यान विभाग के सहायक संचालक श्री सतीश कुमार ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में बैगा किसानों को

एक एकड़ भूमि के लिए यह प्रदाय किया गया। इस अवसर पर ग्राम के सरपंच, वन संरक्षण समिति के अध्यक्ष, उद्यान विभाग के क्षेत्रीय अमला और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना बनी दुलारा बाई के लिए वरदान

मुंगेली. जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना उन लोगों के लिए वरदान साबित हो रही हैं, जो अपनी गरीबी और आर्थिक परिस्थिति के कारण आवास नहीं बना पा रहे थे। मुंगेली जनपद क्षेत्र के ग्राम देवरी (क) की दुलारा बाई भी पक्का मकान बनाने का सपना संजो के रखी थी, लेकिन घर की आर्थिक परिस्थिति ठीक नहीं होने के चलते अपना पक्का घर नहीं बनवा पा रही थी। ऐसे में शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए वरदान बनकर आई। दुलारा बाई को जब प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की जानकारी मिली, तो उन्होंने योजना का लाभ उठाते हुए अपने कच्चे घर की जगह पक्का घर बनवाया।

घर बनाने का हुआ सपना पूरा, मिला पक्का छत

दुलारा बाई ने बताया कि उनकी घर की आर्थिक परिस्थिति इतनी कमजोर थी कि वह गांव में मेहनत व मजदूरी कर अपने परिवार का सिर्फ भरण पोषण कर पाती थी। बारिश के दिनों में उसके घर की छत से पानी टपकता था और दीवारों से पानी रिसकर घर में अन्दर आ जाता था। दुलारा बाई का केवल एक ही सपना था कि उनका अपना खुद का पक्का मकान हो। प्रधानमंत्री आवास योजना से अब उनकी पक्का आवास बनाने का सपना अब पूरी हो गई है। अब उन्हें बारिश का मौसम बुरा नहीं लगता, बल्कि सुहाना लगता है। उन्होंने पक्के घर के लिये मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का अभार व्यक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री राहुल देव के मार्गदर्शन में जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है और पात्र हितग्राहियों का प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बनाकर लाभान्वित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा पाली तानाखार क्षेत्र में दी विभिन्न विकास कार्यों की सौगात

97 करोड़ 30 लाख रूपए के 59 कार्यों का किया लोकार्पण और शिलान्यास

रायपुर, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत आज 14 जनवरी को कोरबा जिले के पाली तानाखार विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लगभग 97 करोड़ 30 लाख रूपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दिए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने 59 कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें लोकार्पण के 22 और शिलान्यास के 37 कार्य शामिल है। इसके तहत मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग अंतर्गत तीन कार्य, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत एक कार्य, जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा अंतर्गत बारह कार्य, जनपद पंचायत पाली अंतर्गत पाच कार्य तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग अंतर्गत एक कार्य का लोकार्पण किया गया। इसी प्रकार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत दो कार्य, जनपद पंचायत पाली अंतर्गत चार कार्य, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग अंतर्गत 11 कार्य, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण अंतर्गत एक

कार्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत दो कार्य, जल संसाधन विभाग अंतर्गत दो कार्य, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग अंतर्गत दो कार्य और शिक्षा विभाग अंतर्गत 13 कार्यों का शिलान्यास किया गया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का शुभारंभ

रीति रिवाज के साथ की भगवान शिव की पूजा अर्चना

मुख्यमंत्री ने तातापानी में स्थापित 12 ज्योतिर्लिंगों के किए दर्शन

बलरामपुर जिले को मिली 976 करोड़ 47 लाख के 1707 विकास कार्यों की सौगात

रायपुर, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज मकर संक्रांति के अवसर पर बलरामपुर जिले के ऐतिहासिक तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का शुभारंभ किया । इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 976 करोड़ 47 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया। इनमें रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र में 284 विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 446 विकास कार्यों का लोकार्पण, सामरी विधानसभा क्षेत्र में 777 विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 16 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में 46 विकास कार्यों का शिलान्यास व 138 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान किये गये 20 घोषणाओं तथा 03 निर्देशों का शिलान्यास एवं सामरी विधानसभा क्षेत्र में विद्युत विभाग के दो घोषणा के कार्यों का लोकार्पण किया । महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल सामूहिक कन्या विवाह योजनान्तर्गत 501 जोड़ों के विवाह समारोह में सम्मिलित हुए तथा नव दंपत्तियों को आशीर्वाद दिया ।

धार्मिक मान्यताओं व भूमिगत गर्म जल स्त्रोत के नाम से प्रसिद्ध तातापानी में प्रत्येक वर्ष की भांति मकर संक्रांति पर्व पर वृहद मेला लगता है । जहां जिले के पड़ोसी राज्यों झारखण्ड, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं । लोगों की श्रद्धा व आस्था का सम्मान करते हुए प्रतिवर्ष जिला प्रशासन के द्वारा तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

मुख्यमंत्री ने बघेल ने रीति रिवाज से ऐतिहासिक तातापानी में भगवान शिव की पूजा अर्चना कर यहां स्थापित 12 ज्योतिर्लिंगों के भी दर्शन किए । इसके पश्चात उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं पर आधारित विकास कार्यों की स्टॉल के माध्यम से लगायी गयी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। तातापानी संक्रांति परब के अवसर पर स्कूल शिक्षा व आदिम जाति कल्याण मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन विभाग के संसदीय सचिव व सामरी विधायक श्री चिन्तामणी महाराज, सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व रामानुजगंज विधायक श्री बृहस्पत सिंह सहित क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए ।

छत्तीसगढ़ वन एवं वन्यप्राणियों के मामले में अत्यंत सपन्न – वन मंत्री अकबर

रायपुर, वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने नवा रायपुर अटल नगर स्थित अरण्य भवन में आज इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में भारतीय वन सेवा 2021–23 बैच के 33 प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान संबोधित किया। वन मंत्री श्री अकबर द्वारा इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य में कराये जा रहे भू–जल संरक्षण कार्य, तेंदूपत्ता संग्रहण, प्रसंस्करण एवं विपणन तथा अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत कराये गये कार्यों के संबंध में प्रशिक्षु अधिकारियों को मार्गदर्शन दिया गया।

वन मंत्री श्री अकबर ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य वन एवं वन्यप्राणियों के मामले में अत्यंत सपन्न है। राज्य में कुल भौगोलिक क्षेत्र 135192 वर्ग कि.मी. का 44 प्रतिशत से अधिक भू–भाग वनाच्छादित है। यहां लगभग 300 हाथी विचरण कर रहे हैं, जिनके साथ साहचर्य से रहना, तद्नुरूप परिस्थिति उत्पन्न करना वन विभाग की प्रमुख जिम्मेदारियों में से एक है। इस मौके पर मंत्री के समक्ष प्रवास पर आए प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा भी उनके भारत भ्रमण से प्राप्त अनुभव को साझा किया गया। वन मंत्री द्वारा आगे बताया गया कि हाथियों को उचित रहवास स्थल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 1995 वर्ग कि.मी. क्षेत्र को लैमरू हाथी रिजर्व नाम से अधिसूचित किया गया है।

वन मंत्री श्री अकबर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में चल रही नवाचारी योजनायें– नरवा विकास योजना, मुख्य मंत्री वृक्ष संपदा योजना, पौधा तुंहर द्वार, कृष्ण कुंज योजना, वन्यप्राणी प्रबंधन योजना के संबंध में भी अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि वनांचलों में रहने वाले अनुसूचित जनजाति और अन्य वनवासियों तथा कमजोर वर्ग के लोगों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिये वन विभाग द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही है, जिनका प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभ हितग्राहियों को प्राप्त हो रहा है। विशेषकर लघु वनोपज संग्रहण, प्रसंस्करण एवं विपणन के बेहतर प्रबंधन से वनवासियों की आजीविका में वृद्धि हुई है। छत्तीसगढ़ राज्य में मिलेट्स को मुख्य आहार के रूप में अपनाने हेतु जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में ज्वार, बाजरा, रागी, कंगनी, कोदो, सांवा, चेना एवं कुटकी प्रचुर मात्रा में पायी जाती है, परन्तु इनकी फसलों के संग्रहण, प्रसंस्करण एवं मार्केटिंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों द्वारा इसका उपयोग नहीं किया जाता था।

इसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा मिलेट्स के विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप इसको मुख्य आहार के रूप में बढ़ाये जाने में मदद मिल रही है। इस अवसर पर वन मंत्री श्री अकबर का स्वागत प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री संजय शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री भरत ज्योति निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून एवं प्रशिक्षु अधिकारियों श्री निखिल अग्रवाल तथा प्रदेश के वरिष्ठ वन अधिकारी उपस्थित थे।

हमारी योजनाओं से आमज़नों की ज़िंदगी में परिवर्तन आए, उनकी आमदनी बढ़े, इसी का प्रयास है: मुख्यमंत्री

भेंट-मुलाकात

मुख्यमंत्री ने पाली-तानाखार विधानसभा के ग्राम पिपरिया में भेंट-मुलाकात में जानी योजनाओं की मैदानी हकीकत

क्षेत्र के विकास के लिए की अनेक घोषणाएं

पसान में स्थापित होगी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की शाखा

मोरगा में 36 के.वी. विद्युत सब स्टेशन की स्थापना की घोषणा

कोरबी एवं घुचापुर में हाथी प्रभावित क्षेत्रों हेतु होगी रेस्क्यु सेंटर की स्थापना

कापूबहरा और तुलबुल (करीं) में पुल निर्माण की घोषणा

ग्राम पिपरिया में मुख्यमंत्री हाट बाजार योजना का होगा संचालन

पिपरिया में देवगुड़ी समेत कुल 25 देवगुड़ियों के निर्माण की घोषणा

ग्राम पिपरिया में नवीन बालक छात्रावास खोला जायेगा

अमझर से जरौंधा सीमा तक सड़क का होगा निर्माण

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज कोरबा जिले के पाली तानाखार विधानसभा के ग्राम पिपरिया में आयोजित भेंट-मुलाकात में क्षेत्र के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने पसान में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के शाखा प्रारंभ करने, मोरगा में 36 के.वी. विद्युत सब स्टेशन की स्थापना, कोरबी एवं घुचापुर में हाथी प्रभावित क्षेत्रों हेतु रेस्क्यु सेंटर की स्थापना, कापूबहरा और तुलबुल (करीं) में पुल निर्माण, ग्राम पिपरिया में मुख्यमंत्री हाट बाजार योजना के संचालन की घोषणा की। इसी के साथ उन्होंने पिपरिया में देवगुड़ी समेत कुल 25 देवगुड़ियों के निर्माण, पिपरिया के प्रमुख हाट-बाजार में शेड निर्माण, ग्राम पंचायत अरसिया में पेयजल की व्यवस्था, नगर पंचायत पाली में मंगल भवन का निर्माण, ग्राम पिपरिया में नवीन बालक छात्रावास खोलने और अमझर से जरौंधा सीमा तक सड़क निर्माण की घोषणा की। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री एवं स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम एवं लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत भी उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि योजनाओं से आमज़नों की ज़िंदगी में परिवर्तन आए, उनकी आमदनी बढ़े, इसका प्रयास राज्य सरकार कर रही है। उन्होंने 2500 रूपए क्विंटल पर धान खरीदी के संबंध में बताया कि केंद्र सरकार ने कहा था कि धान के समर्थन मूल्य से एक रुपए भी धान के लिए ज्यादा दोगे तो हम धान नहीं खरीदेंगे। राज्य सरकार ने किसानों के हित में राजीव गांधी किसान न्याय योजना की शुरूआत की, जिसमें पहले साल 10 हजार रूपए प्रति एकड़ और इस साल 9 हजार रूपए प्रति एकड़ इनपुट सब्सिडी दी जा रही है। समर्थन मूल्य और इनपुट सब्सिडी मिलाकर किसानों को 25 सौ रुपए प्रति क्विंटल धान की कीमत दे रहे हैं।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री टी.एस. सिंहदेव व्हाइट कोट सेरेमनी में हुए शामिल

एम.बी.बी.एस. प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित छात्रों ने ली चिकित्सा आचार संहिता की शपथ

रायपुर. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव आज रायपुर में पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में व्हाइट कोट सेरेमनी में शामिल हुए। समारोह में चिकित्सा महाविद्यालय में एम.बी.बी.एस. प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं ने चिकित्सा आचार संहिता की शपथ ली। आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अशोक चंद्राकर, चिकित्सा शिक्षा विभाग के संचालक डॉ. विष्णु दत्त, चिकित्सा महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. तृप्ति नागरिया एवं अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. एस.बी.एस. नेताम भी व्हाइट कोट सेरेमनी में शामिल हुए। चिकित्सा शिक्षा विभाग के संचालक डॉ. विष्णु दत्त ने विद्यार्थियों को चरक आचार संहिता की शपथ दिलाई। उनके द्वारा कहे गये शब्दों को 180 नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं ने अपना दाहिना हाथ उठाकर दोहराया। समारोह में विद्यार्थियों ने 'हम तुम्हारे साथ हैं...' और 'वी आर द डॉक्टर, वी आर ऑलवेज देयर फॉर यू...' की संगीतमय प्रस्तुति दी।

व्हाइट कोट सेरेमनी को संबोधित करते हुए चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि आज यहां मौजूद 180 नए विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत के बाद अपनी व्यक्तिगत काबिलियत के आधार पर चिकित्सा छात्र बनने का यह मुकाम हासिल किया है। आपने आज जो शपथ ली है, वह आपके आने वाले समय में सेवाकाल के दौरान मार्गदर्शी सिद्धांत के रूप में काम आएंगे। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के रूप में अक्सर भगवान का स्वरूप देखा जाता है। यह सही भी है क्योंकि अनेक कठिन अवसरों में अगर कोई जीवन दे पाता है तो वे डॉक्टर्स ही हैं। यह इतनी बड़ी जवाबदेही है जहां पूरा समाज, पूरी मानवता आपकी ओर उसी नजरिए से, उसी उम्मीद से निहारेगी। आज बहुत बड़ी जिम्मेदारी ग्रहण करने के लिए आप लोग यहां एकत्रित हुए हैं।

श्री सिंहदेव ने कहा कि भविष्य में चिकित्सक बनकर जहां एक ओर आपको गहरा संतोष होगा, वहीं मानवता की बहुत बड़ी सेवा करने का अवसर भी मिलेगा। डॉक्टरों का काम समाज में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के साथ पूरे समाज की सेवा करेंगे। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि रायपुर मेडिकल कॉलेज के 60वें वर्ष में हम लोग एक नए स्वरूप में शामिल हुए हैं। यह क्षण जीवनभर आपके लिये प्रेरणादायी हो। आप सभी को मानवता की सेवा के क्षेत्र में कदम रखने के लिए हृदय से शुभकामनाएं देता हूं और आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अशोक चंद्राकर ने नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों के बारे में बताते हुए नए विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि व्हाइट कोट डॉक्टरों की एक पहचान है। अब तक इस महाविद्यालय से करीब चार हजार से ज्यादा चिकित्सक निकलकर देश-विदेश में अपने संस्थान का नाम रौशन कर रहे हैं। मेडिकल की पढ़ाई काफी कठिन होती है। वर्ष 2019 से एनएमसी द्वारा क्लिनिकल एप्लीकेशन व प्रैक्टिकल पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। इसलिए आप सभी से यह अपेक्षा है कि कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री की अपील का दिखा असर 33 जिलों में हुआ भारी मात्रा में पैरादान

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के किसानों से पैरादान करने की अपील का व्यापक असर हुआ है। प्रदेश भर में किसान पैरादान कर रहें है। पिछले दो माह में लगभग 13 लाख 89 हजार क्विंटल से अधिक पैरा गौठानों में संग्रहित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने पैरादान को महादान की संज्ञा देते हुए कहा है कि किसान अपने खेतों में पैरा जलाने के बजाए गौठान में दान करें इससे प्रदूषण से राहत मिलेगी और पशुओं को चारा भी मिलेगा। इसके अलावा पैरा का उपयोग वर्मी कम्पोस्ट बनाने में किया जा सकेगा।गौरतलब है कि भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर मुख्यमंत्री ने किसानों से पैरादान करने की अपील कर रहें है। इसका असर अब गांव-गांव में दिखने लगा है। किसान स्वमेव पैरादान करने पहुंच रहें हैं। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के सभी 33 जिलों में पैरादान हुआ है, जिसकी दिसम्बर और जनवरी महीने में कुल मात्रा 13 लाख 89 हजार 374 क्विंटल है। इसमें रायपुर जिला प्रथम स्थान जहां 1 लाख 88 हजार 656 क्विंटल, दूसरे स्थान पर जिला जांजगीर-चांपा 1 लाख 41 हजार 809, तीसरा स्थान पर जिला-धमतरी 1 लाख 21 हजार 766 क्विंटल, चौथे स्थान पर जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ जहां 1 लाख 4हजार 607 क्विंटल और पांचवा स्थान पर मुंगेली जिला है जहां 80 हजार 01 क्विंटल पैरादान हुआ है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री के मंशानुरूप जिला प्रशासन जांजगीर-चांपा द्वारा जिले में पैरादान के लिए किसानों को

लगातार प्रेरित किया गया जिससे जिले के किसान स्वस्फूर्त आगे आकर सतत रूप से पैरादान कर रहे हैं, जिस कारण जांजगीर-चांपा में रिकॉर्ड पैरादान हुआ। कलेक्टर जांजगीर चांपा के निर्देश पर जिले में पैरादान को अभियान के रूप में लेते हुए प्रथम चरण में 10 से 15 दिसम्बर तक और दूसरे चरण में 26 से 30 दिसम्बर तक पैरादान महोत्सव का आयोजन किया गया। परिणामस्वरूप जांजगीर-चापां के किसानों द्वारा 1 लाख 41 हजार 809 क्विंटल का पैरादान गोठानों में किया गया है।

जांजगीर-चांपा जिले में सुराजी गांव योजना के तहत बनाए गए गोठानों में गायों के लिए साल भर के लिए पैरा की कमी न हो और पैरा एकत्रित हो सके इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा किसानों को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही किसानों को पैरा नहीं जलाने को लेकर सतत रूप से जागरूक किया जा रहा है।

रायपुर जिलें में फसल कटाई के पश्चात खेतों में पड़े हुए पैरे एकत्रित करने के लिए शासन द्वारा बेलर मशीन की व्यवस्था की गई है। बेलर मशीन से एकत्रित पैरे का उपयोग गौठानों में पशुओं के लिए नि:शुल्क चारा उपलब्ध कराया जा रहा है। रायपुर जिलें में भी जिला प्रशासन द्वारा किसानों से पैरादान करने की अपील करते हुए कहा है कि किसान अधिक से अधिक संख्या में फसल अवशेष प्रबंधन करें जिससे मुख्यमंत्री की मंशानुरूप निकटतम गौठानों में, पैरादान के माध्यम से पशुचारा उपलब्ध हो सके।

'पोषणबाडी से सुपोषित हुआ नौनिहाल' आंगनबाड़ी केन्द्र रानीबोदली मे सुपोषण बाड़ी से मिल रही है हरी सब्जियाँ

बीजापुर. जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री लुपेन्द्र महिनाग के मार्गदर्शन मे एकीकृत बाल विकास परियोजना कुटरू, सेक्टर कुटरू के आंगनबाडी केन्द्र रानीबोदली जो कि रानीबोदली पंचायत में है। रानीबोदली आंगनबाड़ी केन्द्र का पोषण बाडी जनवरी 2022 में पंचायत की ओर से सरपंच श्री विच्चम गोटा द्वारा फेंसिंगतार की बाडी तैयार कराया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के द्वारा जमीन का हल्का खोदाई कर लाल भाजी एवं पालक भाजी के बीज का रोपण किया गया। लगभग 4 से 5 माह की कड़ी मेहनत के बाद पोषण बाडी में लाल भाजी एवं पालक भाजी की हरी सब्जियॉ पोषण बाड़ी में लहराती हुई दिखी। इस हरी सब्जियों को गरम भोजन के साथ बनाकर परोसा जाता है। जिससे केन्द्र के बच्चें को कुपोषण में शतप्रतिशत सुधार हुआ है। अभी वर्तमान में केन्द्र में 0 से 6 वर्ष के कुल 40 बच्चे दर्ज है। और सभी बच्चे वर्तमान में सुपोषित है केन्द्र में अभी मध्यम एवं गंभीर कुपोषित बच्चे की संख्या शुन्य है। पोषण बाड़ी का क्षेत्र बड़ा है और यहॉ सब्जी भाजी काफी मात्रा में उत्पादित होने के कारण कार्यकर्ता श्रीमती अनिता गोटा और सहायिका पुष्पा अंगनपल्ली के पति के द्वारा लगभग तीन सौ रूपये का सब्जी व्रिकय भी किया गया। इस कार्य से कार्यकर्ताए सहायिका और वार्ड पंच श्रीमती तुरजाबाई तोडसम, वार्ड पंच श्री अरविंद गोटा जो कि पोषणबाडी निर्माण में अपना सहयोग दिया है। पोषणबाडी के देखरेख एवं निर्माण के लिए सहायिका और कार्यकर्ता के अथक प्रयास ही सफल हुआ है। सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती प्रियंका भारद्वाज द्वारा कार्यकर्ता को समाझाईस दी गई है कि पोषणबाडी से उत्पादित सब्जी भाजी का प्रतिदिन गरम भोजन के साथ हरी साग भाजी की सब्जी आहार के रूप में देना शुरू करे, ताकि केन्द्र में दर्ज सभी बच्चे लाभांवित हो जायेए और कुपोषण से निजात पाकर सुपोषित हो सके।

यूपीआइ पर जोर

बीते दिसम्बर माह में यूपीआई के जरिये 782.9 करोड डिजिटल लेन-देन है जिसमें 12.82 लाख करोड रूपये हस्तांतरित किये गये

देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और ऐसे लेन-देन को सस्ता करने के प्रयास के क्रम में केंद्र सरकार ने बैंकों के लिए एक प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है. वर्तमान वित्त वर्ष 2022-23 के लिए केंद्रीय कैबिनेट द्वारा स्वीकृत 2,600 करोड़ रुपये की इस प्रोत्साहन योजना में रुपे डेबिट/क्रेडिट कार्ड को अपनाने और यूपीआइ लेन-देन को बढ़ाने वाले बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं को वित्तीय सहयोग देने का प्रावधान है.

हमारे देश में डिजिटल भुगतान की नोडल संस्था नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने भारत सरकार से ऐसी योजना लाने का अनुरोध किया था. उल्लेखनीय है कि पिछले साल बजट पेश करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी घोषणा की थी कि सरकार डिजिटल लेन-देन को वित्तीय सहायता देना जारी रखेगी. हालांकि अभी भी नगदी का चलन और उसकी मांग बहुत अधिक है, लेकिन कुछ वर्षों में डिजिटल लेन-देन में बड़ी तेजी आयी है.

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बीते दिसंबर माह में यूपीआइ के जरिये 782.9 करोड़ डिजिटल लेन-देन हुए हैं, जिनमें 12.82 लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किये गये. वर्ष 2020-21 में 5,554 करोड़ ऐसे लेन-देन हुए थे, जबकि 2021-22 में इनकी तादाद 8,840 करोड़ हो गयी. यह 59 फीसदी की बड़ी छलांग थी. भीम-यूपीआइ के जरिये होने वाले लेन-देन में 2020-21 से 2021-22 में 106 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई थी. मार्च, 2012 में शुरु हुई रुपे भुगतान प्रणाली भारत की अपनी प्रणाली है.

जुलाई, 2014 में इसके कार्ड जारी हुए थे. आज 60 करोड़ से अधिक रुपे कार्ड इस्तेमाल में हैं. यूपीआइ भी स्वदेशी प्रणाली है. डिजिटल लेन-देन के क्षेत्र में बड़ी पहल करते हुए रिजर्व बैंक ने हाल ही में आई रुपी डिजिटल करेंसी की शुरुआत की है. बीते एक दिसंबर को प्रारंभ हुई खुदरा लेन-देन में इसके इस्तेमाल की पायलट योजना में मुंबई स्थित इस केंद्रीय बैंक के कार्यालय के पास फल बेचने वाले बच्चे लाल साहनी को भी शामिल किया गया है.

लगभग 25 साल पहले बिहार के वैशाली जिले से मुंबई आये साहनी को इस योजना को हिस्सा बनाया जाना यह इंगित करता है कि डिजिटल लेन-देन के हर पहलू को आम भारतीय के हिसाब से तैयार किया जा रहा है. अब दस देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीय भी यूपीआइ का इस्तेमाल कर सकते हैं. देश में स्मार्ट फोन और कंप्यूटर का उपयोग बढ़ने तथा इंटरनेट के तीव्र प्रसार से डिजिटल तकनीक आबादी के बड़े हिस्से के लिए आवश्यक होती जा रही है. यूपीआइ प्रणाली ने देश में डिजिटलीकरण प्रक्रिया में उल्लेखनीय योगदान दिया है.

माता बिंदेश्वरी देवी के नाम पर होगा मातृ शिशु अस्पताल

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज बेमेतरा जिले में बेरला प्रवास के दौरान माता बिंदेश्वरी बघेल स्मृति सामुदायिक मनवा कुर्मी भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बेरला के 30 बिस्तर अस्पताल को मातृ शिशु अस्पताल (एमसीएच-मदर एण्ड चाइल्ड हॉस्पिटल) में उन्नयन कर 50 बिस्तर करने की घोषणा करते हुए कहा कि इस अस्पताल का नामकरण माता बिंदेश्वरी देवी के नाम पर किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने ग्राम हसदा में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल प्रारंभ करने, बेरला में जिम और इनडोर स्टेडियम, भिंभौरी में विद्युत विभाग के सब स्टेशन निर्माण की घोषणा की। इसके अलावा उन्होने सामुदायिक भवन के आहाता के लिए आवश्यक कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया। श्री बघेल ने सामुदायिक भवन परिसर में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने वृक्षारोपण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, विधायक श्री आशीष कुमार छाबड़ा, मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज धमधा राज के अध्यक्ष श्री चंद्रशेखर परगनिहा, जनपद पंचायत अध्यक्ष हीरा देवी वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष बेरला राजबिहारी कुर्रे सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामाजिक कार्यों के लिए इस भवन का उपयोग होगा। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं का प्रदेश छत्तीसगढ़ खुशहाली की ओर आगे बढ़ रहा है। इस वर्ष धान की फसल बढ़िया थी, धान की कटाई मिंजाई हो गई है। धान उपार्जन का कार्य बड़े पैमाने पर सुव्यवस्थित रुप से चल रहा है। खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में 110 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य है, गत वर्ष राज्य सरकार द्वारा 98 लाख मीट्रिक टन खरीदी किया गया था। मुख्यमंत्री ने किसानों से गौठान में पैरादान करने की अपील की जिससे कि गौ-माता को भोजन के रुप में चारा मिल सकेगा। उन्होंने खेती-किसानी में रासायनिक खाद के उपयोग पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इससे जमीन की उर्वरा शक्ति कमजोर हो रही है। किसान भाई जैविक खेती और कम्पोस्ट खाद का उपयोग कर अपनी पैदावार बढ़ा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों को आगामी पर्व छेर-छेरा पुन्नी की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल किसानों की स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। समाज के सभी वर्गों के हित में योजनाएं चलाई जा रही है। राम-वन-गमन पथ हेतु 138 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। कार्यक्रम को विधायक आशीष छाबड़ा ने भी संबोधित किया।

प्रभु यीशु के संदेशों में भाईचारा है, प्रेम है जिससे दुनिया में फैले हिंसा, घृणा, ईर्ष्या और दुख को पराजित किया जा सकता है - भूपेश बघेल

सेंट जोसफ कैथेड्रल और सेन्ट पॉल कैथेड्रल पहुंचकर प्रार्थना में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज क्रिसमस पर्व पर राजधानी रायपुर के सेंट जोसफ कैथेड्रल और सेन्ट पॉल कैथेड्रल पहुंचकर प्रार्थना में शामिल हुए और प्रदेश के सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने मसीही समाज सहित समस्त प्रदेशवासियों को क्रिसमस की बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि आज विश्वभर में प्रभु ईसा मसीह का जन्म दिन पूरे धूमधाम से मनाया जा रहा है। सभी घरों में केक एवं मिठाईयां बनाई जा रही हैं, आज बच्चे भी सज-धजकर यहां आए हैं यह बहुत बड़ा दिन है । प्रभु यीशु का संदेश पूरी मानवता के लिए है । उन्होंने बताया कि करुणा, प्रेम और सेवा के माध्यम से ही हम ईश्वर तक पहुंच सकते हैं, यही वह मार्ग है जिससे जीवन में व्याप्त घृणा, ईर्ष्या और क्रोध से हम जीत सकते हैं । इस संदेश में भाईचारा है, प्रेम है जिससे आज दुनिया में फैले हिंसा, घृणा, ईर्ष्या और दुख को पराजित कर सकते हैं । मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हमें प्रभु यीशु के संदेशों का अनुसरण कर मानवता की सेवा करनी चाहिए ताकि इस मानव सभ्यता को और ऊंचाई पर ले जा सकें । उन्होंने कहा कि आज इस पवित्र दिन के अवसर पर प्रभु ईसा मसीह को नमन करते हुए आप सबको बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं ।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस मौके पर कैथेड्रल में उपस्थित लोगों के साथ केक काटकर क्रिसमस सेलिब्रेट किया। चर्च में उपस्थित सभी लोगों ने प्रभु की प्रार्थना की और चर्च के गायन दल ने कैरोल गीत प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का मसीही समाज के द्वारा पुष्पगुच्छ और शॉल भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल के अध्यक्ष श्री कुलदीप जुनेजा, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री महेन्द्र छाबड़ा, महापौर श्री ऐजाज ढेबर, सेंट जोसेफ कैथेड्रल में आर्च बिशप विक्टर हेनरी ठाकुर, विकार जनरल फादर सेबेस्टियन पी., मुख्य पुरोहित फादर जोस फिलिप, बसंत तिर्की, फादर क्रॉसलिन आदि शामिल हुए। इसी तरह सेंट पॉल्स कैथेड्रल में बिशप द राइट रेवरेंड अजय उमेश जेम्स, पादरी अजय मार्टिन, डीकन मारकुस केजु, डीकन के. खूंटे, डीकन ए. कोरी, डीकन अब्राहम रास और डायसिस के प्रवक्ता श्री जॉन राजेश पॉल

मुख्यमंत्री के भेंट-मुलाकात में 25 वर्षों से लंबित मामले का हुआ त्वरित निराकरण

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के भेंट-मुलाकात के माध्यम से 25 वर्षों से लंबित भू-अर्जन मुआवजे के प्रकरण का आज निराकरण हो गया। मुख्यमंत्री ने 25 वर्षों से भू-अर्जन की मुआवजा राशि का इन्तजार कर रहे बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 54 किसानों को 6 करोड़ 97 लाख 49 हजार रूपए की मुआवजा राशि का ऑनलाईन भुगतान किया। मुख्यमंत्री ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के इन किसानों को भू-अर्जन मुआवजा राशि सहित हितग्राहियों को चिटफंड कम्पनी से वसूल की गई राशि और राजस्व पुस्तक परिपत्र के तहत सहायता राशि ऑनलाईन वितरित की। गौरतलब है कि बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में इस वर्ष मई माह में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम में इन किसानों ने मुख्यमंत्री श्री बघेल से भू-अर्जन मुआवजा की राशि नहीं मिलने की शिकायत की थी, जिस पर मुख्यमंत्री ने जिले के कलेक्टर को विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं में लंबित भू-अर्जन

जिले के कुल 2148 हितग्राहियों को 14.35 करोड़ रूपए से अधिक की राशि का वितरण

मुआवजा वितरण के प्रकरणों का त्वरित परीक्षण कर हितग्राहियों को राशि वितरण करने के निर्देश दिए थे। जिसके तारतम्य में आज मुख्यमंत्री ने वर्चुअल कार्यक्रम में किसानों को मुआवजा राशि का वितरण किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में भू-अर्जन मुआवजा सहित चिटफंड कम्पनी से वसूली गई राशि और राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 अंतर्गत कुल 2148 हितग्राहियों को 14 करोड़ 35 लाख 47 हजार रूपए की राशि वितरित की। इस राशि में से चिटफंड कंपनियों से ठगी का शिकार हुये 146 नागरिकों को चिटफंड कंपनियों से वसूली गई 11 लाख 49 हजार रूपए और राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 अंतर्गत 1948 हितग्राहियों को 7 करोड़ 26 लाख 49 हजार रूपए की राशि शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह, संसदीय सचिव श्री शिशुपाल सोरी, विधायक श्री गुलाब कमरो, श्री बृहस्पति सिंह, श्री अरुण वोरा, श्री मोहित राम केरकेट्टा, श्रीमती यशोदा वर्मा और मुख्यमंत्री के सचिव श्री अंकित आनंद और रामानुजगंज में संसदीय सचिव श्री चिंतामणी महाराज उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं में अपनी जमीन देने वाले किसान भू-अर्जन मुआवजा राशि मिलने की उम्मीद छोड़ चुके थे। यह खुशी की बात है कि भेंट-मुलाकात में यह प्रकरण सामने आने के बाद आज छह माह बाद किसानों को मुआवजा राशि वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के लोगों के हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों की सजगता और निरंतर प्रयासों से इन प्रकरणों की त्वरित जांच कर पात्र हितग्राहियों को मुआवजा राशि का वितरण किया गया।

खेल मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए आवश्यक: राज्यपाल सुश्री उइके

रायपुर, राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके विगत दिवस सुभाष स्टेडियम रायपुर में श्री रायपुर पुष्टिकर समाज ट्रस्ट द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता ''पुष्करणा प्रीमियर लीग'' के समापन कार्यक्रम में शामिल हुईं। राज्यपाल सुश्री उइके ने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए समिति के समस्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई दी। राज्यपाल ने खेल में भागीदारी और खेलने के हौसले को, हार जीत से बड़ा बताते हुए खुशी व्यक्त की कि सभी खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा एवं टीम भावना का अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी 6 टीमों का छत्तीसगढ़ में हार्दिक अभिवादन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस तरह के आयोजन

रायपुर में होते रहेंगे और आगे भी इसी उत्साह के साथ खिलाड़ी छत्तीसगढ़ में खेलने आते रहेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन सिखाता है, आपसी सहभागिता बढ़ाने का काम करता है, एकाग्रता लाता है। खेल से मानसिक व शारीरिक विकास को बढ़ावा मिलता है और नेतृत्व करने की क्षमता भी विकसित होती है। प्रतिस्पर्धाओं में जीत को ही अंतिम लक्ष्य मानकर नहीं खेलना चाहिए बल्कि खिलाड़ियों को अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के संकल्प के साथ खेल में शामिल होना चाहिए। खिलाड़ियों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना से खेलना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल के प्रति बढ़ती रूचि एवं लगातार प्रतिस्पर्धा के आयोजन से अच्छे खिलाड़ी निकलकर आ रहे हैं। खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को संवारने में ऐसी प्रतिस्पर्धाएं मील का पत्थर साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन उन्हें गौरवान्वित करता है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने खेल को शासन की प्राथमिकताओं में शामिल किया है। खेल के लिए अधोसंरचना के विकास के साथ-साथ खिलाड़ियों को सभी उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। खेलो इंडिया की पहल से पिछले कुछ वर्षों में भारतीय युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने के लिए एक नया मंच मिला है। खेल और खिलाड़ियों के हित में लिए गए निर्णयों के कारण ही पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेकों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रतिस्पर्धाओं में सफलता हासिल की है। राज्यपाल ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा देश की सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं से कहा कि आप सभी जिस भी क्षेत्र में कार्य करें, अपनी ऊर्जा का सदुपयोग राष्ट्र निर्माण में करें। देश के खिलाड़ियों से उन्होंने कहा कि खिलाड़ी का बेहतर प्रदर्शन और उनकी जीत देश का गौरव बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं में क्षमता का अभाव नहीं है बस हमें अधिक से अधिक अवसर सृजित कर युवाओं को साथ जोड़ने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने देश की बेटियों का पदक या कोई अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में जीत गर्व का विषय है। यह अन्य महिलाओं को प्रेरित करता है। इसलिए उन्होंने खेल के क्षेत्र में बेटियों को पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने की आवश्यकता बताई। राज्यपाल ने कहा कि इस प्रतियोगिता के आयोजन से समाज के युवा लाभान्वित होंगे एवं उनमें छिपी हुई प्रतिभा को मंच मिलेगा। आयोजन समिति ने राज्यपाल सुश्री उइके को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री बृजमोहन अग्रवाल ने भी दर्शकों को संबोधित किया एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर श्री रायपुर पुष्टिकर समाज ट्रस्ट के पदाधिकारी और सदस्य एवं दर्शकगण भी उपस्थित थे।

खेल में देश की बेटियों का अच्छा प्रदर्शन, सभी महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत

छत्तीसगढ़ में महिलाएं बना रही पेंट, महात्मा गांधी का सपना हो रहा पूरा

रायपुर,गांवों में लिपाई-पुताई के काम आने वाले गोबर से अब इमल्शन और डिस्टेंपर पेंट तैयार किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ की महिलाओं का बनाया गया पेंट मल्टी नेशनल कंपनियों को टक्कर दे रहा है। पेंट निर्माण में मल्टी नेशनल कंपनियों के एकाधिकार को गांवों की महिलाएं तोड़ रही हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे इस उच्च गुणवत्ता के पेंट को देखते हुए सभी शासकीय भवनों की पुताई कराने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा इसके लिए एसओआर भी जारी कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ी पेंट के आगे मल्टी नेशनल रंग पड़े फीके

राजधानी रायपुर के जरवाय गौठान, दुर्ग जिले के गांव लिटिया और कांकेर के सराधुननवागांव में गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने का कार्य शुरू किया गया है। पेंट निर्माण में अमूमन मल्टी नेशनल कंपनियां ही काबिज थीं लेकिन अब ग्रामीण महिलाएं भी इस क्षेत्र में मजबूती से कदम रख चुकी हैं। गोबर से बनने वाला प्राकृतिक पेंट बिल्कुल मल्टी नेशनल कंपनियों के द्वारा तैयार किए गए पेंट जैसा है। इसकी गुणवत्ता उच्च स्तरीय है, यह पेंट एंटी बैक्टीरिया और एंटीफंगल होता है।

गोबर से पेंट और वर्मी कम्पोस्ट तैयार कर महिलाएं महात्मा गांधी जी के आत्मनिर्भर गांव की कल्पना को साकार कर रही हैं। इससे गांव के लोगों को रोजगार के साथ ही उनकी तरक्की के लिए नए-नए अवसरों का निर्माण हो रहा है। जरवाय गौठान में डिस्टेंपर, इमल्शन पेंट के साथ ही पुट्टी का भी निर्माण हो रहा है। इसकी बिक्री राजधानी रायपुर के सीजी मार्ट में की जा रही है। इसे जल्द ही विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध कराने की योजना है। यह पेंट मल्टी नेशनल कंपनी के पेंट की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत सस्ता होने के साथ ही यह पर्यावरण के अनुकूल भी है।

गोबर से बने इस पेंट की कीमत बाजार में उपलब्ध प्रीमियम क्वालिटी के पेंट की तुलना में 30 से 40 फीसदी कम है। इमल्शन पेंट की कीमत 225 रूपए प्रति लीटर है। यह 1,2,4 और 10 लीटर के पैकेज में तैयार किया जा रहा है। साथ ही यह बड़ी कम्पनियों के पेंट की तरह करीब 4 हजार रंगों में भी उपलब्ध है। साथ ही पुट्टी डिस्टेंपर भी तैयार किया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्तर की संस्था से प्रमाणित एवं गुणवत्तापूर्ण यह पेंट भारत सरकार की संस्था राष्ट्रीय प्रशिक्षण शाला के द्वारा प्रमाणित भी किया गया है। साथ ही इसके इसके विभिन्न प्रकार के गुण है यह एन्टी बैक्टीरिया, एंटीफंगल, इको-फ्रेंडली, नॉन टॉक्सिक है। यह भी वैज्ञानिक संस्थान द्वारा प्रमाणित है। इस प्राकृतिक पेंट में हैवी मटेरियल का उपयोग नही किया गया है और यह नेचुरल थर्मल इन्सुलेटर है अर्थात् इसमें चार से पांच डिग्री तापमान करने की क्षमता भी है।

रायपुर, दुर्ग और कांकेर के यूनिट में निर्माण शुरू यह राजधानी के जरवाय गौठान गोवर्धन क्षेत्र स्तरीय महिला स्व सहायता समूह द्वारा लक्ष्मी ऑर्गेनिक संस्थान के सहयोग से बनाई जा रही है। इस समय इस गौठान में स्थापित यूनिट द्वारा प्रतिदिन 2 हजार लीटर इमल्शन पेंट बनाने की क्षमता है। जिसे भविष्य में मांग अनुरूप 5 हजार लीटर तक वृद्धि की जा रही है। यहां पर पुट्टी और डिस्टेंपर भी बनाई जा रही है। इस पेंट से राजधानी के नगर निगम मुख्यालय की इमारत जोन क्रमांक 8 की इमारत में पोताई की गई है। वहीं दुर्ग जिले के ग्राम लिटिया की ग्रामीण बहनें गांव में ही डिस्टेंपर निर्माण कर रही हैं। डिस्टेंपर यूनिट की निर्माण क्षमता हर दिन हजार लीटर तक की है। उन्होंने इसका विक्रय भी आरंभ कर दिया है।

ड्यूटी से गैर हाजिर शिक्षक का कटेगा वेतन

रायपुर. मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के कलेक्टर श्री पी.एस. ध्रुव स्कूलों में अध्ययन-अध्यापन की स्थिति का जायजा लेने के लिए जिले के सीमावर्ती इलाके में कई स्कूलों सहित आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने माध्यमिक शाला बोरीडांड में बिना किसी सूचना के ड्यूटी से गैर हाजिर शिक्षक श्री सुनील टोप्पो का एक दिन का वेतन काटे जाने के निर्देश दिए। प्राथमिक शाला बोरीडांड के निरीक्षण के दौरान विलंब से शाला आने के कारण शिक्षक मिथलेश वैश्य को इसका पुनरावृत्ति किए जाने की चेतावनी दी गई।

कलेक्टर श्री ध्रुव ने बोरीडांड गांव की प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला चुक्तीपानी गांव की प्राथमिक शाला, कठौतिया गांव स्थित प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला का औचक निरीक्षण कर वहां बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शिक्षकों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन, शाला परिसर की स्वच्छता का जायजा लिया। कलेक्टर ने शिक्षकों को समय पर शाला आने और बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अध्ययन-अध्यापन में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने उक्त शालाओं की कक्षाओं में जाकर बच्चों से उनकी पढ़ाई-लिखाई के बारे में जानकारी लेने के साथ ही बच्चों के ज्ञान का स्तर परखने के लिए उनसे गणित और भाषा से संबंधित सवाल भी पूछे।

विलंब से शाला आने वाले शिक्षक को मिली चेतावनी

औचक निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ध्रुव ने की कार्रवाई

कलेक्टर ने इसके पश्चात कठौतिया उप स्वास्थ्य केन्द्र का भी निरीक्षण किया। वहां इलाज कराने आए मरीजों से चर्चा की। कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केन्द्र में उपस्थित डॉक्टर से दवाओं की उपलब्धता एवं टीकाकरण की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली।

शासकीय योजना की लाभ से किसान को मिला ट्रेक्टर और ट्राली

जगदलपुर, शासन द्वारा अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का संचालन करती है। जागरूक हितग्राही शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर अपना आर्थिक विकास कर रहे है इन्ही जागरूक हितग्राही में से एक भीमा राम पोडियामी भी है। जो शासकीय योजना का लाभ लेकर ट्रेक्टर, ट्राली और कृषि उपकरण प्राप्त किया है। भीमा पोडियामी बस्तर जिले के दरभा तहसील अंतर्गत अत्यंत संवेदनीशील क्षेत्र ग्राम मुण्डागढ़ के निवासी है। भीमा ने बताया कि ऋण लेने से पूर्व वे कृषि कार्य करते थे, खेती कार्य बैलों के द्वारा करना पड़ता था, जिस वजह से फसल उगाने में देरी एवं दिक्कतों का सामना करना पडता था, समय पर ट्रेक्टर ट्राली उपलब्ध ना होने के कारण कृषि कार्य में विलम्ब होता था। साथ ही कृषि कार्य में ट्रेक्टर ट्राली के अभाव में कृषि लागत भी ज्यादा लगता था।

एक दिन जिला अंत्यावसायी से लाभान्वित हितग्राही एवं सामाचार पत्रों से ऋण सुविधा योजना की जानकारी प्राप्त हुई। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति जगदलपुर कार्यालय में उपस्थित होकर उन्होंने आवेदन प्रस्तुत किया, उक्त आवेदन पत्र को जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक में चयन किया गया और 02 वर्ष पहले मुख्यमंत्री के करकमलों से ट्रेक्टर ट्राली एवं अन्य कृषि उपकरण हेतु ऋण प्राप्त हुआ। वर्तमान में मेरे वाहन का उपयोग गांव के अन्य किसानों के द्वारा खेती कार्य में किया जा रहा है। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के योजना से आज मैं अच्छी तरह से कृषि कार्य कर पाता हूँ, मेरे कृषि पैदावार में भी बढ़ोतरी हुई है, ट्रेक्टर ट्राली से कृषि कार्य आसान हुई साथ ही साथ अनाज को मंडी तक ले जाने में भी सुविधा हो गई है। शासन से प्राप्त आर्थिक सहयोग के लिए प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ।

छत्तीसगढ़ के लोक तिहार, दान की महान संस्कृति का परिचायक 'छेरछेरा'

रायपुर, छेरछेरा पर्व पौष पूर्णिमा के दिन छत्तीसगढ़ में बड़े ही धूमधाम, हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इसे छेरछेरा पुन्नी या छेरछेरा तिहार भी कहते हैं। इसे दान लेने-देने पर्व माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन दान करने से घरों में धन धान्य की कोई कमी नहीं रहती। इस दिन छत्तीसगढ़ में बच्चे और बड़े, सभी घर-घर जाकर अन्न का दान ग्रहण करते हैं। युवा डंडा नृत्य करते हैं।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए शासन द्वारा बीते चार वर्षों के दौरान उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के क्रम में स्थानीय तीज-त्यौहारों पर भी अब सार्वजनिक अवकाश दिए जाते हैं। इनमें छेरछेरा (मां शाकंभरी जयंती) तिहार भी शामिल है। जिन अन्य लोक पर्वों पर सार्वजनिक अवकाश दिए जाते हैं वे हैं हरेली, तीजा, मां कर्मा जयंती, विश्व आदिवासी दिवस और छठ। अब राज्य में इन तीज-त्यौहारों को व्यापक स्तर पर मनाया जाता है, जिसमें शासन की भी भागीदारी होती है। इन पर्वों के दौरान महत्वपूर्ण शासकीय आयोजन होते है तथा महत्वपूर्ण शासकीय घोषणाएं भी की जाती है। छेरछेरा पुन्नी के दिन स्वयं मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल भी परम्परा का निर्वाह करते हुए छेरछेरा मांगते हैं।

छेरछेरा पर्व में अमीर गरीब के बीच दूरी कम करने और आर्थिक विषमता को दूर करने का संदेश छिपा है। इस पर्व में अहंकार के त्याग की भावना है, जो हमारी परम्परा से जुड़ी है। सामाजिक समरसता सुदृढ़ करने में भी इस लोक पर्व को छत्तीसगढ़ के गांव और शहरों में लोग उत्साह से मनाते हैं।

छत्तीसगढ़ का लोक जीवन प्राचीन काल से ही दान परम्परा का पोषक रहा है। कृषि यहाँ का जीवनाधार है और धान मुख्य फसल। किसान धान की बोनी से लेकर कटाई और मिंजाई के बाद कोठी में रखते तक दान परम्परा का निर्वाह करता है। छेर छेरा के दिन शाकंभरी देवी की जयंती मनाई जाती है। ऐसी लोक मान्यता है कि प्राचीन काल में छत्तीसगढ़ में सर्वत्र घोर अकाल पड़ने के कारण हाकाकार मच गया। लोग भूख और प्यास से अकाल मौत के मुँह में समाने लगे। काले बादल भी निष्ठुर हो गए। नभ मंडल में छाते जरूर पर बरसते नहीं। तब दुखीजनों की पूजा-प्रार्थना से प्रसन्न होकर अन्न, फूल-फल व औषधि की देवी शाकम्भरी प्रकट हुई और अकाल को सुकाल में बदल दिया। सर्वत्र खुशी का माहौल निर्मित हो गया। छेरछेरा पुन्नी के दिन इन्हीं शाकंभरी देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। यह भी लोक मान्यता है कि भगवान शंकर ने इसी दिन नट का रूप धारण कर पार्वती (अन्नपूर्णा) से अन्नदान प्राप्त किया था। छेरछेरा पर्व इतिहास की ओर भी इंगित करता है।

छेरछेरा पर बच्चे गली-मोहल्लों, घरों में जाकर छेरछेरा (दान) मांगते हैं। दान लेते समय बच्चे 'छेर छेरा माई कोठी के धान ला हेर हेरा' कहते हैं और जब तक गृहस्वामिनी अन्न दान नहीं देंगी तब तक वे कहते रहेंगे- 'अरन बरन कोदो दरन, जब्भे देबे तब्भे टरन'।

- अशोक स्वैन

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में चर्चा ज्यादातर ग्लेशियरों के पिघलने और समुद्र के बढ़ते स्तर पर केंद्रित है, लेकिन नदियों और झीलों पर इस विषय में ज्यादा बात नहीं की जा रही है, जो मानव उपयोग के लिए मीठे पानी की आपूर्ति करती हैं।

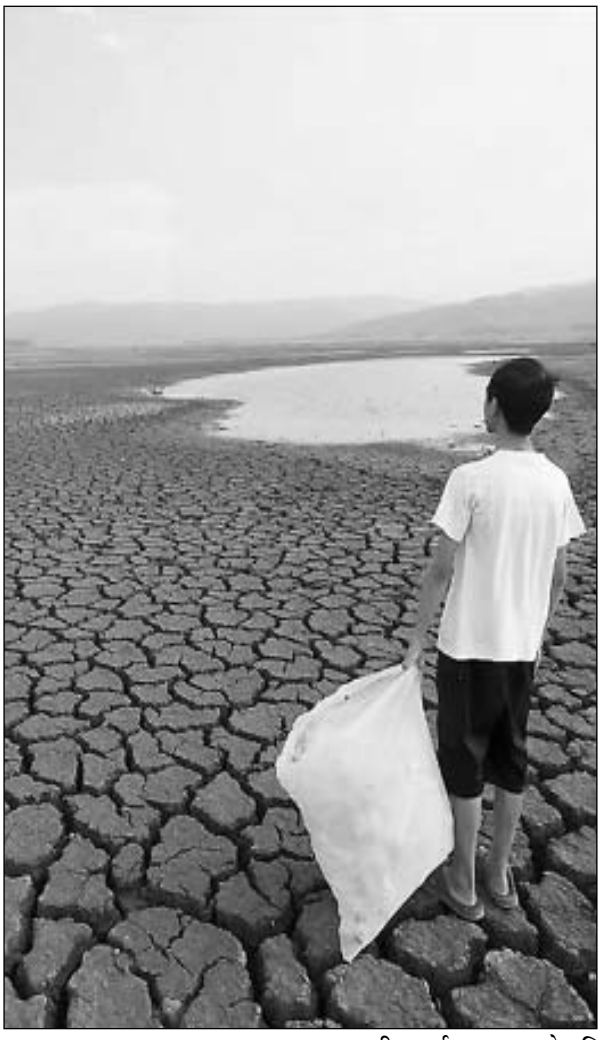

नदियों और झीलों मे पानी की कमी

गर्म तापमान और वर्षा या बर्फबारी के नियम में बदलाव के कारण दुनिया भर में नदी और झील प्रणाली बड़े बदलावों से गुजर रही है। जबकि पाकिस्तान गंभीर बाढ़ का सामना कर रहा है, कई प्रमुख नदियों में पानी का प्रवाह उत्तरी अमेरिका से यूरोप, मध्य पूर्व से पूर्वी एशिया तक खतरनाक रूप से कम हो गया है।

कोलोराडो में जल स्तर दशकों से गिर रहा है। यह इस स्तर पर पहुँच गया है कि इस गर्मी में हूवर बाँध के पीछे शक्तिशाली मीड झील लगभग एक मृत कुंड बन गयी है। चार करोड़ से अधिक लोग राइन नदी पर निर्भर हैं, जो चिंताजनक रूप से सूख रही है।

राइन पर जल परिवहन पर समझौता यूरोपीय संघ के निर्माण के लिए नींव का पत्थर था। जर्मनी में कुछ जगहों पर उस नदी का जल स्तर 32 सेंटीमीटर तक गिर गया है, जिससे कंटेनर जहाजों का संचालन लगभग असंभव हो गया है। तथाकथित %हंगर स्टोन% जर्मनी की राइन नदी और चेक गणराज्य की एल्बे नदी में फिर से सामने आए हैं। %हंगर स्टोन% एक प्रकार के हाइड्रोलॉजिकल लैंडमार्क हैं जो सामान्यता मध्य यूरोप में पाए जाते हैं। ये पत्थर अकाल इतिवृत्त और चेतावनी के रूप में कार्य करते हैं और वर्तमान पीढ़ी को प्राचीन समय में पड़े भीषण अकालों की याद दिलाते हैं।

यूरोप और चीन अपनी नदियों को खो रहे है

इटली की पो नदी में हाल ही में कई बार बाढ़ आई है, लेकिन इस गर्मी में इसकी नदी के किनारे पर द्वितीय विश्व युद्ध के युग का बम मिला, क्योंकि पानी का प्रवाह लगभग सूख चुका था। फ्रांस को अपने कुछ परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के संचालन को कम करने के लिए मजबूर किया गया है क्योंकि रोन और गारोन नदियों के पानी का तापमान बहुत अधिक था, जिसका उपयोग प्लांट कूलिंग उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना असंभव हो चुका था।

सूखे ने इंग्लैंड की टेम्स नदी का स्रोत भी सुखा दिया है। यूरोप की कई महत्वपूर्ण नदियाँ – डेन्यूब, गार्डियाना और लॉयर में भी पानी की गंभीर कमी है। यूरोपीय सूखा वेधशाला के अनुसार, यूरोप का लगभग आधा हिस्सा सूखे की चेतावनी के अधीन है, और शायद पिछले 500 वर्षों में ऐसा कभी नहीं हुआ है।

चीन में भीषण लू के कारण सूखे के पुराने कीर्तिमान टूट गए है। नई जलवायु के कारण यांग्त्ज़ी सहित देश की कई नदियाँ सूख रही हैं। विशाल यांग्त्ज़ी 40 करोड़ से अधिक लोगों को पीने के पानी की आपूर्ति करती है और चीन की बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। इस वर्ष इसका जल प्रवाह पिछले पाँच वर्षों के औसत के आधे से नीचे चला गया है, मुख्य रूप से बेसिन में वर्षा में 45 प्रतिशत की गिरावट के कारण इसके जल स्तर में कमी हुई परिणाम स्वरूप चीन को शिपिंग में भारी व्यवधान और जल विद्युत उत्पादन में गिरावट के झेलनी पड़ी।

बढ़ता तापमान और उसके प्रभाव

पानी की बढ़ती मांग और तेजी से गर्म हो रहे ग्रह के कारण न केवल नदी प्रणालियों में जल प्रवाह में गिरावट आई है, बल्कि कई प्रमुख मीठे पानी की झीलें भी सूख रही हैं। मध्य एशिया में अरल सागर, बोलिविया में पूपो झील,

मध्य अफ्रीका में चाड झील और कैलिफोर्निया में ओवेन्स झील के जल निकाय लगातार सिकुड़ रहे हैं, जिससे इन झीलों में और इसके आसपास एक गंभीर पारिस्थितिक संकट पैदा हो रहा है और खाद्य उत्पादन के लिये और अधिक चुनौतियाँ आ रही हैं।

बरसात के बदलती प्रकृति और अत्यधिक वाष्पीकरण ने दुनिया के कई हिस्सों में नदियों और झीलों में पानी की मात्रा को काफी कम कर दिया है। नदियों और झीलों के सूखने से न केवल सिंचाई, नौवहन और औद्योगिक उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है; इसने प्रदूषण के बढ़ते स्तर को भी जन्म दिया है क्योंकि पानी की कमी के कारण सामान्य प्रदूषकों भी पानी में घुलकर नष्ट नहीं हो पाते हैं।

बढ़ते प्रदूषण और नदियों और झीलों में पानी के बढ़ते तापमान के कारण मछलियाँ, पौधे और वन्यजीवों की मृत्यु हो जाती है। जलवायु संकट ने मौसम के सामान्य रूप को बदल दिया है, नदियों और झीलों और उन पर निर्भर लोगों और पारिस्थितिक तंत्र (इको सिस्टम) को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है।

इसके अतिरिक्त, इनमें से अधिकांश नदियाँ और झीलें देश की सीमाओं को पार करती हैं और दो या दो से अधिक देशों के बीच साझा की जाती हैं। पानी के बँटवारे को लेकर कोलोराडो से राइन तक, डेन्यूब से टर्की की यूफ्रेटिस या फरात नदी और टाइग्रिस या दजला नदी से लेकर अरल सागर तक बेसिन देशों के बीच औपचारिक और अनौपचारिक मानदंड और संस्थान विकसित किए गए हैं।

हालाँकि, ये मौजूदा जल बँटवारे के नियम या बेसिन आधारित जल प्रबंधन संस्थान मीठे पानी पर सहयोग के मार्ग का मार्गदर्शन करने के लिए अपर्याप्त साबित हो रहे हैं क्योंकि जलवायु परिवर्तन ने इसकी उपलब्धता में अभूतपूर्व कमी ला दी है। जबकि नदियों और झीलों पर पुराने जल समझौते गंभीर दबाव में हैं, जल बंटवारे पर नए समझौतों पर हस्ताक्षर करना लगभग असंभव होता जा रहा है।

क्या है भविष्य के गर्भ में

जलवायु परिवर्तन ने पहले ही पृथ्वी के जल संतुलन को खो दिया है, और दुनिया के कई हिस्सों में नदी के प्रवाह को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है। संभावना यह है कि यह सब भविष्य में भी जारी रहने वाला है। इस साल नदियों और झीलों का सूखना एक साल की घटना नहीं रहेगी, इस घटना के अधिक बार दोहराने की संभावना है। इन सारी समस्याओं के से बचने के लिये सारी दुनिया को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अपनी लड़ाई को प्राथमिकता देते हुए एक साथ आना चाहिये।

व्हाट्सएप पर डिजी लॉकर मतलब गवर्नमेंट डॉक्यूमेंट रखना और हुआ आसान

आप गाड़ी चला रहे हैं और रास्ते में आपको ट्रैफिक पुलिस वाला रोककर पूछता है कि भाई अपना ड्राइविंग लाइसेंस दिखाओ और उसी वक्त आपको पता चलता है कि आपका वॉलेट तो घर छूट गया है! जाहिर सी बात है उसी में आपका ड्राइविंग लाइसेंस था।

अब ऐसी स्थिति में क्या होता है कि आपको फाइन भरना पड़ता है और कई बार तो लोगों का चालान हो जाता है। चालान में कोर्ट का चक्कर लगाना अलग सिरदर्द है।

इसी प्रकार से आप किसी सरकारी ऑफिस में कोई काम करने जाते हैं और आपसे आपका पैन कार्ड मांगा जाता है, आधार कार्ड मांगा जाता है और वह आप घर छोड़ आए होते हैं तो ऐसी स्थिति में बेवजह की दौड़ा भागी होती है, परेशानी होती है।

इन्हीं सब चीजों को देखते हुए गवर्नमेंट ने पिछले दिनों डीजी लॉकर जैसी सुविधा ऑनलाइन की है जिससे कोई भी व्यक्ति डाउनलोड करके अपने डाक्यूमेंट्स ऑनलाइन रख सकता है।

यह सर्विस लोकप्रिय भी हुई और डीजी लॉकर के एंड्राइड ऐप को 1 करोड़ से अधिक लोगों ने ना केवल डाउनलोड किया बल्कि अधिकांश लोग उसका सक्रिय इस्तेमाल भी कर रहे हैं।

आपको बता दें कि 3¬30 लाख से अधिक रिव्यू भी इस एप्लीकेशन पर है, परंतु बावजूद इसके यह एप्लीकेशन एक तरह से ठहर गया है और शहरी लोगों तक सीमित हो गया है। ऐसी स्थिति में अब डिजी लॉकर आपके व्हाट्सएप पर आ रहा है।

व्हाट्सएप के बारे में हम जानते हैं कि यह हर उस व्यक्ति के पास मौजूद है जो स्मार्टफोन चला रहा है। इनकी संख्या भारत में ही 50 करोड़ से ऊपर है। तो अब देर किस बात की अब आप अपने व्हाट्सएप की मदद से ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, आधार कार्ड जैसे डॉक्यूमेंट डाउनलोड कर सकेंगे।

मिनिस्ट्री की माने तो व्हाट्सएप पर आप स्ब्रत्रश1 हेल्पडेस्क का भी इस्तेमाल कर पाएंगे। व्हाट्सएप से जिन डाक्यूमेंट्स को डाउनलोड करने की अथॉरिटी दी गई है उसमें ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, आरसी (ऋष्ट)10वीं और 12वीं क्लास की मार्कशीट, टू व्हीलर इंश्योरेंस पॉलिसी डॉक्यूमेंट आदि मौजूद हैं।

इसके लिए आपको स्ब्रत्रश1 का मोबाइल नंबर अपने स्मार्टफोन में सेव करना होगा और यह नंबर है 90131 51515 इसे आप सेव कर सकते हैं। आप व्हाट्सएप ओपन कीजिए और यहां पर हाय या नमस्ते लिखिए।

जैसे ही आप लिखेंगे आपको दो ऑप्शन मिलेंगे गो विथ सर्विस और डीजी लॉकर सर्विस। इसमें आपको डीजी लॉकर सर्विस चूज करना है और यहां से आपको यह आधार नंबर वेरीफाई करने के लिए बोलेगा।

सबसे पहले आप आधार नंबर डालें फिर आपके मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा। इसके बाद ओटीपी डालें और यह वेरीफाई करने के बाद यहां पर आपको डॉक्यूमेंट की लिस्ट मिल जाएगी। इन डॉक्यूमेंट की लिस्ट को जैसे ही आप प्रेस करेंगे तो यह आपसे उस डॉक्यूमेंट की आईडी मांगेगा जैसे कि ड्राइविंग लाइसेंस आप डाउनलोड करना चाहते हैं तो यह आपकी आईडी मांगेगा और आईडी डालते ही आपका ड्राइविंग लाइसेंस डाउनलोड हो जाएगा।

अभी एक उनींदा-सा झोंका आँखों में आकर ठहरा ही था कि आवाज़ आई, कॉल फ्राम वेराइजन वायरलेस... फोन सविता ने उठाया। हमारा इकलौता बेटा तरुण अपनी माँ द्वारा दिन में की गई काल के जवाब में फ़ोन पर था। मैं वापस नींद में जाने को ही था कि बातों ने ध्यान आकर्षित कर लिया,

क्यों क्या पेट दर्द हो रहा है?... ठीक है मै वीकेण्ड पर आते हुए ले आऊँगी। ...

हाँ, अच्छा ठीक है मैं कल ही ओवरनाइट करती हूँ। अहँ..अहँ क्यों? ... इतना गड़बड़ है क्या? ... तुमने टायलोनॉल ली क्या? अच्छा! कब से? ... ठीक है, मैं कल ही आती हूँ।

मेरी नींद अब तक टूट गई थी। पत्नी ने बताया, तरुण को कई दिनों से सर दर्द हो रहा है। लगातार टायलोनॉल की गोलियों से काम चला रहा है। मैंने राहत की साँस ली। कालेज में पढ़ते नवयुवक कब गलत संगत में पड़ जायें, पता नहीं चलता। वैसे तो तरुण अपने पर संयम रखता है, पर जब किसी धुन में लग जाता है, तो आगा पीछा कुछ नहीं सोचता। लगा- शायद लगातार काम करने की थकान से स्वाभाविक सर दर्द हो गया होगा। पर नींद के प्रभाव में पुनः आने तक मेरे आखिरी विचार यही थे कि, शायद बात कुछ गंभीर है क्यों कि तरुण द्वारा हमारे घरेलू पाचन चूर्ण ब्रुकनूक्रकी माँग करना काफी अस्वाभाविक था। अगली सुबह मैंने कार्यालय में अपने साथियों को सूचित कर दिया कि तरुण की तबियत खराब है और हम उसे देखने के लिए मैरीलेंड जा रहे हैं।

लगभग साढे आठ बजे हम घर से निकल पड़े। इस समय तक टर्न पाइक पर रोज़ के आने जाने वालों की भीड़ कम हो जाती है, इसलिए हम लगभग 3 घंटों में बिना रुके जॉन हापकिन्स के कैंपस पहुँच गए। रेजीडेंसी में होने के कारण अब तरुण ने एक फ्लैट किराये पर ले लिया था और अपने एक और साथी के साथ रहता था।

दरवाज़े की घंटी कई बार बजाने पर ही दरवाज़ा खुला और हम अपने सामने खड़े व्यक्ति को देखकर भौंचक्के रह गये। तरुण के बाल और ढाढ़ी तो बढ़े ही थे, उसका चेहरा भी उतरा हुआ था। तरुण भी मुझे देखकर आश्चर्य चकित था, उसने नहीं सोचा था कि, मैं भी वहाँ पहुँच जाऊँगा। उसने मेरे पैर छुए और बोला,

आप बेकार परेशान हुए, मैंने तो माँ से ही केवल कहा था...। मैं बोला,

तुमने बात ही ऐसी की थी कि मेरा चौंकना स्वाभाविक था। तुम तो हमेशा से ही बुकनू से दूर भागते थे, अगर तुम बुकनू को स्वास्थ्य सुधारने के लिए प्रयोग करना चाहते हो तो बात निश्चित रूप से साधारण नहीं है। हम तीनों ही जानते थे कि खाने पीने की चीज़ों में उसकी रुचियाँ बड़ी बेढब थीं और जो चीजें उसे पसंद नहीं थी, उन्हें हम उसे बचपन से आज तक कभी भी खिला नहीं पाए।

तरुण स्वयं ही बोला, पता नहीं क्या हो रहा है, मैंने कितने ही टेस्ट करवाए, पर हर शाम को अजीब-सा सर दर्द शुरू हो जाता है। कैट स्केन, ई.एम.जी., एम. आर. आई. सब कर चुके हैं, पर कुछ भी पता नहीं चला। जैकब से कह कर उसके न्यूरो के प्रोफेसर साहब से भी बात की। उन्हें भी कुछ समझ नहीं आ रहा है। इधर मेरा काम सब बिगड़ता जा रहा है। पिछले हफ्ते तक मैं शाम को तो किसी काम के लायक नहीं रहता था, पर कम से कम सुबह के समय तो अस्पताल

जा पा रहा था, पर अब तो रात में ठीक से सो न पाने के कारण सुबह भी ठीक से ध्यान नहीं दे पा रहा हूँ। लगातार टायलोनॉल लेकर काम चला रहा हूँ। इससे अधिक शक्तिशाली ड्रग्स लेने में दूसरे खतरे हैं। आप तो जानते ही हैं कि मैं इन चीज़ों से दूर ही रहता हूँ।

मैंने कहा, जल्दी से कुछ साफ कपड़े पहन लो, फिर देखते हैं... सत्य प्रकाश शायद अभी लंच में घर पर आया हो तो उससे घर पर ही मिल लेते हैं। वहीं और विस्तार से बात करेंगे। तुम तो जानते ही हो कि मुझे उस पर बहुत भरोसा है। वैसे तो तुम खुद ही डॉक्टर हो, पर वो कहते हैं ना कि अपना इलाज खुद नहीं होता। और अब तक अपनी सीमा में जो कुछ हो सकता है वह तो तुम कर ही चुके होगे। मैं उससे कह नहीं रहा था, पर असली बात यह थी कि मुझे न तो स्वास्थ्य संबंधी ज़्यादा जानकारी है और न ही अपने पर इस मामले में कोई भरोसा।

सत्य प्रकाश के घर जाते हुए रास्ते में मैंने उसके सेल फोन पर बता दिया कि हम क्यों आ रहे हैं। हमारे पहुँचने तक वह अपना लंच कर चुका था। तरुण को देखते ही बोला, मैंने तुमसे ये उम्मीद नहीं की थी तरुण, कम से कम मुझे तो बताना चाहिए था। तरुण झेंपता-सा बोला, सॉरी अंकल, मैंने खुद ही नहीं सोचा था कि बात इतनी बढ़ेगी। वैसे जितने हो सकते थे, सारे टेस्ट मैं करवा चुका हूँ, और डॉ. सिल्विया कालिन्स से भी मिल चुका हूँ। अब तो मेरी अक्ल ने काम करना बंद कर दिया है, क्यों कि कोई भी टेस्ट अभी पॉजिटिव नहीं आया है। सभी की सलाह है कि अत्याधिक काम करने से हुई थकान ही मेरी मुख्य समस्या है। मुझे आराम करना चाहिए और धीरे-धीरे सभी ठीक हो जाएगा।

सत्य प्रकाश ने पूछा, वैसे तो तुम और तुम्हारे साथी इस पर पहले ही विचार कर चुके होगे, लेकिन फिर भी तुम्हें ऐसी कोई भी बात याद आती है, जिससे अंदाज़ा लगाया जा सके कि समस्या का मूल क्या है?

तरुण बोला, मैंने सोचा तो बहुत कुछ, पर ऐसा कुछ भी याद नहीं आता जिससे पता लगे कि इसका कारण क्या हो सकता है। मैंने पिछले 2-3 महीनों से ज़्यादा समय से बाहर किसी रेस्तरां में खाना तक नहीं खाया जो कोई अनजाना वायरस या बैक्टीरिया अपना असर दिखा रहा हो। अपनी आँखो की जाँच करवा चुका हूँ, और वे तो बिलकुल ठीक-ठाक हैं। मैंने अपने अपार्टमेंट में प्रकाश की भी ठीक-ठाक व्यवस्था कर ली है। सर दर्द के अन्य कारण जैसे तेज इत्र, कैफीन, मौसम, भूख आदि मेरे ध्यान में अब तक जो कुछ भी आया है, मैंने सभी को परखा है, परंतु अभी तक कोई कारण नहीं समझ में आया है। इसीलिए तो मैंने माँ से बुकनू माँगा था।

सत्य प्रकाश ने भौंहें चढ़ाईं, बुकनू? उसका इससे क्या मतलब है? तरुण बोला, ओह, वो तो मैं टायलोनॉल खाते-खाते उकता गया था, तो मुझे याद आया कि सर दर्द के लिए माँ बुकनू लेती थी, तो मैंने सोचा कि मैं भी लेकर देखूँ।

सत्य प्रकाश ने प्रश्नात्मक दृष्टि से तरुण की ओर देखा और कहा, 'और..?'

तरुण बोला, उसका असर अभी तक नहीं देखा क्यों कि अभी तक उसे आज़माने का मौका ही नहीं मिला है।

सत्य प्रकाश ने तरुण से उसकी स्वास्थ्य संबंधी सभी रिपोर्ट सुरक्षित ईमेल से भेजने के लिए कहा तो उसके उत्तर में तरुण ने एक यू.एस.बी. ड्राइव उसे दी जिसको लगाकर सत्यप्रकाश और तरुण दोनों ही तरुण की जाँचों को फिर से देखने लगे। सत्यप्रकाश ने कुछ देर बाद सिर हिलाया और कहा, %%कारण तो कोई समझ में नहीं आता।%%

पर कुछ और दूर की संभावनाओं को परखने के लिए टेस्ट लिखकर दिए और उनको तुरंत करवाने के लिए कहा। हम उसका पर्चा लेकर तुरंत क्वेस्ट की लैब में गए। लैब पैथालाजिस्ट को तरुण ने अपना पहचान पत्र दिखाकर कहा कि हमें जल्दी है, हो सके तो फोन पर डॉ सत्य प्रकाश या फिर डॉ तरुण को विश्लेषण दे दें।

लैब से निकलने के बाद हम सभी जान हापकिन्स के कैंपस वापस गए। हमें वहाँ देखकर तरुण भी उत्साहित हो गया था और कॉलेज की लाइब्रेरी में कुछ पुराने केसों के बारे में माइक्रोफिल्म पर देखना चाहता था। मैं और पत्नी भी वहीं लाइब्रेरी में कुछ और पुस्तकें देखने लगे। लगभग दो घंटे बाद तरुण हतोत्साहित वापस आया। उसका चेहरा पुनः थका दिख रहा था। मैंने उसे उत्साहित करने के लिए कहा, चिंता मत करो हम इस समस्या का हल कुछ न कुछ ढूँढ़ ही निकालेंगे।

घर वापस पहुँचने से पहले ही तरुण को सेल पर लैब का टेक्सट मेसेज आया। तरुण उसे देखकर बोला, कुछ फायदा नहीं हुआ। सारे रिजल्ट फिर से नेगेटिव आए हैं। रास्ते में मेरी नज़र दायीं और बैठे तरुण के चेहरे पर पड़ी, वह हारा हुआ लग रहा था, बोला, पापा, सर फिर से दर्द करने लगा है।

मैंने पूछा, क्या तुम्हारे पास टायलोनॉल है अभी?

उसने इन्कार में सिर हिलाया। मैंने कहा, पंद्रह मिनट तो कम से कम लगेंगे ही अभी घर तक पहुँचने में, तब तक काम चल पाएगा कि नहीं? नहीं तो हम लोग रास्ते में किसी सीवीएस फार्मेसी या वालमार्ट से दवा ले लें।

तरुण ने कहा, रहने दीजिए, जितनी देर ढूँढ़ने में लगेगी, उतनी देर में तो घर ही पहुँच जाएँगे।

अगले तीन-चार मिनट तक कोई कुछ नहीं बोला। हम सभी चुपचाप अपने-अपने ख़यालों में खोये हुए बैठे थे।

अचानक तरुण बोला, माँ, क्या आपके पास वो येलो साल्ट है, या आप अपार्टमेंट पर ही छोड़ आईं?

उसकी माँ ने कहा, नहीं वो तो डिक्की के सामान में ही है।

मैंने तरुण के चेहरे के भाव देखे तो चुपचाप गाड़ी हाई वे के किनारे सोल्डर पर रोक ली। उतर कर पीछे से बैग निकाल लाया और उसमें से निकाल कर बुकनू की शीशी तरुण को पकड़ा दी। उसने हथेली पर रखकर कुछ बुकनू पानी के साथ फाँक लिया। बाकी का सारा रास्ता चुपचाप गुज़रा। हम घर पहुँचे और तरुण की हालत देखते हुए उसे टायलोनॉल लेने की सलाह दी। उसने भी बिना कुछ कहे 500 मिग्रा की एक गोली ले ली। उसे एक्सट्रा स्ट्रेंग्थ टायलोनॉल लेते देख मैं फिर से चिंतित हो गया। सत्य प्रकाश को फिर से फोन मिलाया तो वाइस मेल में उसकी आवाज़ सुनकर फोन काट दिया। उस रात हमने कुछ अनमने मन से ही खाना खाया। समस्या विचित्र थी, हम तरुण को आकस्मिक इलाज के लिए एमरजेन्सी में भी नहीं ले जा सकते थे। उससे तो वेबजह बात और फैलती, और फिर इमरजेंसी में वो लोग आखिर क्या करते। उसे सिडेटिव देकर सुला देते। तरुण वही तो नहीं चाहता था, नहीं तो डॉक्टर होने के नाते कब का वैसा कर चुका होता। साथ ही रोज़ कैसे सिडेटिव लिया जाता।

अगली सुबह चाय के समय तरुण अपने कमरे से बाहर आया तो हम दोनों ने तरुण की तरफ़ सवालिया निगाहों से देखा। वह थका हुआ था, और चेहरे पर उलझन साफ दिख रही थी।

बैठते ही बोला, समझ में नहीं आ रहा है कि क्या कहूँ? कल रात उतनी परेशानी नहीं हुई। इसका कारण आप लोगों का यहाँ पर मेरे साथ होना है या बुकनू...? हम दोनो पति-पत्नी भी असमंजस में पड़ गए। मैंने अपना वापस लौटना स्थगित कर दिया और सोचा, एक दिन और तरुण के साथ रहना ठीक रहेगा।

अगला दिन ठीक-ठाक गुज़रा पर शाम होते ही मुसीबत आ खड़ी हुई-- फिर वही सिरदर्द। हमने सोचा, परेशान होने से तो अच्छा है कि तरुण टायलोनॉल और बुकनू दोनों ही ले ले। मैं उस रात ही वापस लौट आया, पर सविता वहीं रुक गई। आफिस से लौटते समय रास्ते में मैंने धड़कते दिल से तरुण का हाल पूछा तो पता लगा कि कल की तरह आज भी उसने दर्द को सहने के लिए दोनों तरीके अपनाये थे।

मैंने सत्य प्रकाश को फोन करके पूछा कि कोई प्रगति हुई। झिझक के कारण बुकनू वाली बात उसे नहीं बता सका। मुझे भी कुछ निश्चित नहीं था कि पाचन चूर्ण से कोई फायदा हो सकता था या नहीं। सत्य प्रकाश ने बताया कि उसने आज कई और विशेषज्ञों को फोन किया था पर अभी तक कोई समुचित समाधान नहीं मिला था। सभी विशेषज्ञों की धारणा बन रही थी, कि यह कोई नया वायरस या बैक्टीरिया है जो अभी तक चिकित्सा क्षेत्र में पहचाना नहीं गया है। मैंने उसे बताया कि दो दिन जब हम लोग वहाँ थे तो तरुण को कम परेशानी हुई।

सत्य प्रकाश बोला, हो सकता है कि कोई मनोवैज्ञानिक समस्या हो जिसके बारे में तरुण हमें बता नहीं पा रहा हो। मैं कल उसके साथियों आदि से इधर-उधर की बातें करके पता करता हूँ कि कोई और बात तो नहीं है। मुझे भी उसकी बात जँची। ऐसा हो सकने की संभावना तो थी ही।

अगले दो हफ्तों में तरुण की हालत काफी सुधर गई। यहाँ तक कि सविता भी वापस आ गई। हम अपने रोज़मर्रा के कामों में उलझ गए। हमारे आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा जब तरुण ने बताया कि उसने टायलोनॉल लेना बंद कर दिया है और केवल एक बार एक चम्मच बुकनू लेता है, और इतने से ही उसका काम चल रहा है। हम खुद समझ नहीं पा रहे थे कि इन हालातों में क्या करें। इसी तरह लगभग एक महीना गुज़र गया।

रात के लगभग एक बज रहे थे। मैं एक सपने के बीच में था... ऊपर की ओर चढ़ते हुए किसी हवाई जहाज़ में, अचानक सुनाई दिया... काल फ्राम वेरिजान वायरलेस...%% नींद तुरंत उड़ गई और फोन उठाते हुए मेरा दिल अचानक आशंका से काँप उठा, क्या फिर वही! कनेक्शन मिलते ही फोन पर तरुण की घबराई हुई आवाज सुनाई दी,

पापा मेरे पास बुकनू खत्म हो गया है। क्या आप माँ से कहेंगे कि वो और बुकनू मुझे भेज देंगी?

हाँ ज़रूर। पर क्या तुम्हारा ध्यान पहले नहीं गया था?

मैंने सोचा था कि आपसे कहूँगा, पर आजकल ठीक ही चल रहा हूँ, इसलिए ढीला पड़ गया था।

क्या दर्द फिर से हो रहा है?

नहीं अभी तो नहीं, पर आजकल जो काम पीछे रह गया था उसकी भरपाई कर रहा हूँ, यदि ऐसे में गड़बड़ हुआ तो फिर मेरे प्रोफेसर अच्छा नहीं समझेंगे।

सुबह होते ही भेजते हैं। मैंने उसे आश्वस्त करते हुए फोन बंद किया।

अबतक सविता भी जाग गई थी, बोली, मैंने तो सोचा ही नहीं था कि ऐसी ज़रूरत पड़ेगी, अब तो बुकनू खत्म हो गया है। ऐसा करते हैं कि भारत में मुकेश से कहो कि वे भेज दें। मैं अपने चचेरे भाई मुकेश को फोन करने ही वाला था कि याद आया, एफ.डी.ए. वाले कूरियर से खाने की साम्रगी के नाम पर कोई भी मसाले आदि लाने से रोक देंगे। इसका मतलब ये हुआ कि भारत से आने वाले किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत सामान के साथ ही मँगाना पड़ेगा। यदि कोई नहीं मिला तो स्वयं जाना पड़ जाएगा।

कितनी विडम्बना होगी कि विकासशील देशों, यहाँ तक कि अमेरिका के कई अन्य शहरों से लोग अपना इलाज करवाने यहाँ हमारे शहर न्यू यार्क आते हैं और हमें अपने पुत्र के स्वास्थ्य के लिए बुकनू लाने भारत जाना पड़ जाए। अगले दो दिन बड़े ही असमंजस में बीते। सप्ताहांत आते-आते तरुण

ने बताया कि अब उसके पास बिलकुल भी बुकनू नहीं बचा था। हम उसकी बेबसी समझ रहे थे। न्यू जर्सी में लगभग सभी दुकानों पर ढूँढ़ने के बाद हम कुछ सामग्री जुटा पाए जिससे यहीं पर वह मिश्रण बनाया जा सके। उसे लेकर जब हम तरुण के पास पहुँचे तो उसने एक चम्मच चूर्ण खाया और खाते ही बोला, यह तो कुछ अजीब-सा स्वाद वाला है। हमने उसे सारी बात बताई तो उसने कुछ कहा तो नहीं पर वह आश्वस्त नहीं लग रहा था। मैंने अपने सभी परिचितों में कह रखा था कि यदि कोई भारत गया हो तो बता दें, क्यों कि हमें एक छोटा मसाले का पैकेट मँगाना है जिसे मसाला होने के कारण सीधे कूरियर से नहीं मँगाया जा सकता।

आशंका के बोझ से दबे हम घर लौटे। दो दिनों बाद ही तरुण का फोन शाम को आया कि उसकी समस्या हल नहीं हुई है। मैंने सत्य प्रकाश को फोन किया तो उसने कहा कि उसे और तो कुछ अभी तक पता नहीं चल पाया था, पर वह कहने लगा कि हम सीडीसी से संपर्क कर सकते हैं। मैंने पूछा कि इसमें सीडीसी क्या करेगी, तो उसने बताया कि अटलान्टा में सेन्टर फॉर डिसीज कंट्रोल से ज़्यादा विस्तृत वायरस और बैक्टीरिया का डाटाबेस किसी के पास नहीं है। यहाँ तक द्वितीया विश्व युद्ध में पकड़े गए जर्मन वैज्ञानिकों और उनकी जैविक युद्ध संबंधी सभी सामग्री भी केवल सी़डीसी के पास ही है।

अगले दिन मन नहीं माना तो हम पति-पत्नी फिर से मैरीलैंड चल दिए। इस बार हम दोनों मन बनाकर आए थे कि जब तक कोई पक्का हल नहीं मिलता कम से कम तरुण की माँ तो उसके साथ रहेगी ही। चाहे हमारा उसके साथ रहना हो या फिर मसाले वाला चूर्ण, हमें इस समस्या का निदान ढूँढना ही है।

मैंने सत्य प्रकाश से मिल कर बात की तो उसने कहा कि, मैंने सीडीसी एटलान्टा में अपने दोस्त साइमन को तरुण के जैविक त्याज्य के कुछ सैम्पल भेज दिए हैं और उनके डाटाबेस में इसका मिलान करने के लिए कहा है। मुझे उससे बड़ी उम्मीदें हैं। साइमन ने कम के कम 48 घंटो का समय माँगा है। मैं चौंका! मेरे चेहरे के भावों को देखकर सत्यप्रकाश बोला, करोड़ों वायरसों और बैक्टीरियाओं के गुणों का मिलान करने में, उनके शक्तिशाली कम्प्यूटरों को भी समय लग ही जाता है। सबसे बड़ी समस्या ये है कि इनमें से कई संभावनाओं को मिलाने का काम अभी भी जानकार वैज्ञानिकों को खुद ही करना पड़ता है। इस प्रकार के मामलों में स्वचालित विधि पर भरोसा नहीं कर सकते हैं।

हम लोग रुट 95 से होते हुए 495 के वृत्त पर पहुँचे और वापस तरुण के अपार्टमेंट पहुँच गए। तरुण की कमज़ोर काया और कमज़ोर होती जा रही थी और हम दुनिया के सबसे विकसित देश में होने और उसके स्वयं डॉक्टर होने के बावजूद भी उसके लिए कुछ नहीं कर पा रहे थे। मैं पत्नी को छोड़ वापस घर की ओर चल पड़ा। पिछले चार हफ्तों मे जीवन इतना अस्त-व्यस्त हो गया था कि रोज़ के काम अटके हुए थे। उन्हें सँभालना ज़रूरी था। इस बीच शायद भारत से मेरे चचेरे भाई द्वारा भेजा गया पाचन चूर्ण आ गया हो, यह भी देखना था। अचानक मुझे कौंधा कि एक बार भारत में जब मैं 3 महीने के लिए टायफाइड की चपेट में आ गया था, तब दवाइयों से उकता कर कुछ दिनों तक प्राणायाम का सहारा लिया था। इन हालातों में लगातार दवा खाने से बचने के लिए मैं तो शायद कुछ भी करने के लिए तैयार हो जाता पर डॉ तरुण को शायद यह पसंद आए या न आए समझना मुश्किल था। फिर भी मन में आई बात को अपने तक रखने की बजाय मैंने सेल फोन पर काल करके सविता से कहा कि हो सके तो वह तरुण को भ्रामरी प्राणायाम करने के लिए तैयार करे। तनाव न भी दूर हुआ तो कम से कम इससे कोई और समस्या तो नहीं आने वाली थी।

अगले दिन कार्यालय से लौटते हुए दूध लेने के लिए जब चौबीसों घंटे चलने वाली दुकान 7-11 में रुका तो उसी प्लाजा में एक पत्रिकाओं की दुकान में घुस गया, सोचा कि कुछ पत्रिकाएँ लेता चलूँ, शायद तरुण और पत्नी दोनों का मन बहलता रहेगा। घर से शतरंज और स्क्रैबिल के खेल भी उठा लिए थे। जब तक सीडीसी से कुछ जबाब नहीं आता, तब तक हम लोगों की साँस अटकी हुई थी। इतना तो लगने लगा था कि जो कुछ भी है, साधारण नहीं है। गैस स्टेशन पर गैस भरवाते समय ली हुई पत्रिकाओं में से एक वैज्ञानिक पत्रिका के पन्ने यों ही पलट रहा था कि अचानक एक ऐसे लेख पर मेरी नज़र पड़ी जो कि आनुवांशिक गुणों की जानकारी साधारण लोगों तक पहुँच जाने के बारे में लिखा गया था। मैंने तुरंत सत्य प्रकाश को फोन घुमाया और उससे पूछा कि इस मामले में उसकी क्या राय है। पहले तो वह हिचकिचाया, पर बोला, ठीक है सीडीसी का निर्णय आ जाने दो तब इसके बारे में सोचते हैं।

दो दिनों बाद सीडीसी से साइमन का फोन आया तो पता लगा कि उसे आंशिक सफलता मिली थी। तरुण की लार के सैम्पल से यह तो निश्चित हो गया कि कोई नया वायरस या बैक्टीरिया उसके शरीर में मौजूद है। पर उसकी पहचान नहीं हो पाई थी। इस प्रकार के प्रभाव वाले इसी प्रजाति के कुछ मिलते जुलते बैक्टीरिया गर्म जलवायु वाले देशों में ही पाए गए थे। सबसे बड़ी समस्या यह थी कि तरुण के शरीर में अनजान बैक्टीरिया की जो संख्या थी वह मानव शरीर पर असर करने की सीमा से थोड़ी ही ऊपर थी। इसलिए पक्का पता नहीं चल पा रहा था। मैंने सत्य प्रकाश से कहा कि अब मैं और रुक नहीं सकता, बल्कि मैं कल ही आनुवांशिक पहचान के लिए तरुण का टेस्ट करवाता हूँ।

टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल से नागरिकों को मिल रही 16 प्रकार की सेवाओं के लिए घर पहुंच सुविधा

मुख्यमंत्री मितान योजना : अब घर बैठे बन रहे पैनकार्ड

रायपुर. धमतरी शहर के रिसाईपारा वार्ड की गृहणी श्रीमती सरिता साहू काफी खुश हैं, कि घर बैठे उनकी पैन कार्ड बनाने की प्रक्रिया मितान ने आकर पूरी कर दी। वे कहतीं हैं कि पैन कार्ड बनाने के लिए टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल करने पर मितान उनके घर पहुंचे और उनसे जरूरी दस्तावेज लेकर पैन कार्ड बनाने की ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर दी। मितान ने बताया गया कि तय समय में दिए गए पते पर पैन कार्ड आ जाएगा। पैनकार्ड बनाने की प्रक्रिया आसान होने से श्रीमती साहू खुश होकर कहने लगीं कि पैनकार्ड के लिए उन्हें कार्यालयों में जाने की जरूरत ही नहीं पड़ी और सब आसानी से हो गया। इसके लिए वह मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को धन्यवाद देते हुए कहती हैं कि मुख्यमंत्री मितान योजना हम गृहणियों सहित आम लोगों के लिए वरदान से कम नहीं, क्योंकि इसके जरिए जरूरी सेवाएं नागरिकों को घर बैठे मिल रही है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देशन में नगरीय प्रशासन विकास विभाग द्वारा 01 मई 2022 से नागरिकों को सरकारी दस्तावेज बनवाने हेतु घर पहुँच सेवा 'मुख्यमंत्री मितान योजना' की शुरुआत प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों में प्रारंभ की गई थी। योजना के तहत 16 प्रकार की नागरिक सेवाएं टोल फ्री नम्बर 14545 पर कॉल करने पर घर पहुंचकर मितान के माध्यम से प्रदान की जा रही हैं। इसके तहत अब तक करीब 47400 लोगों ने शासकीय दस्तावेज घर पर बनवाने के लिए अपाइंटमेंट कराया है, वहीं 37700 से अधिक नागरिकों ने घर बैठे ही अपने जरूरी शासकीय दस्तावेज प्राप्त किए है। इसके अलावा लगभग 96 हजार से अधिक नागरिकों ने शासकीय दस्तावेजों को प्राप्त करने के संबंध में जानकारी हासिल की है। पहले जहां 13 नागरिक सेवाएं मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, दस्तावेज के नकल के लिए अनुरोध, गैर-डिजिटाइज्ड (भूमि रिकॉर्ड आदि की प्रति), जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, दुकान पंजीकरण, भूमि की जानकारी, जन्म प्रमाण पत्र सुधार, मृत्यु प्रमाण पत्र सुधार, विवाह प्रमाण पत्र सुधार, आधार कार्ड में मोबाइल नंबर अपडेटेशन की सुविधा दी जा रही थी। वहीं मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर एक नवंबर 2022 से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार पंजीयन एवं सभी आयु वर्ग के नागरिकों के आधार में मोबाईल नंबर अद्यतन सुविधा प्रारंभ की गई। अब मितान योजना में नागरिक सुविधाओं का दायरा बढ़ाते हुए पैन कार्ड बनाने को भी शामिल किया गया है। इससे लोगों को श्रम, समय और धन की बचत हो रही है साथ ही प्रमाण पत्रों को प्राप्त करने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से भी निजात मिल रही है।

प्रदेश सरकार के चार साल पूरा होने के उपलक्ष्य में गौरव दिवस पर मुख्यमंत्री ने मितान योजना में पैनकार्ड के लिए पंजीयन कराने की सुविधा देकर नागरिकों को एक और सौगात दी। इसके तहत अब मितान घर आकर पैनकार्ड बनाने आवश्यक दस्तावेज संकलित कर आगे पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। सरिता साहू सहित धमतरी शहर के अब तक आठ लोगों का पैनकार्ड के लिए पंजीकरण किया गया है। इसके लिए आवश्यक दस्तावेज के तौर पर आधार कार्ड और दो पासपोर्ट आकार के फोटो लिए जा रहे हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य इस योजना को विस्तारित कर सभी नागरिकों विशेषतः बुजुर्गों, दिव्यांगों एवं निरक्षरों को घर बैठे आसानी से 100 प्रकार की सेवाएं घर बैठे प्रदान करना है।

जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए मात्र 800 रुपये एवं बाहरी मरीजों को 1500 रुपये में मिलेगा लाभ

बलौदाबाजार, कलेक्टर रजत बंसल ने आज जिला अस्पताल पहुंचकर आपातकालीन चिकित्सा विभाग में लग रहे बहुप्रतीक्षित सीटी स्कैन सुविधा की जानकारी ली। सालों इंतजार के बाद इस सेवा की शुरुआत होने पर अब जिला अस्पताल पहुंचे मरीजों को सीटी स्कैन के लिए निजी अस्पताल या अन्य शहरों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। अभी तक इसकी सेवा सरकारी अस्पताल में नहीं थी। यह सेवा शुरू होने से लोगों को राहत तो होगी ही इस लाभ के लिए न्यूनतम शुल्क भी निर्धारित कर दी गयी है। इसके तहत जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए मात्र 800 रुपये तथा बाहरी मरीजों के लिए 1500 शुल्क निर्धारित की गयी है। वर्तमान में अभी प्रायवेट हॉस्पिटल एवं डायग्नोस्टिक सेंटरों में सीटी स्कैन कराने में करीब 3000 से 5,000 रुपए लिए जाते हैं।

कोरोनाकाल में सीटी स्कैन की कमी के कारण सैकड़ों लोगों को अधिक कीमत पर निजी हॉस्पिटलों से सिटी स्कैन कराना पड़ता था। हालांकि लंबे समय से उठ रही मांग और जरूरत को मद्देनजर शासन द्वारा जिला अस्पताल में सीटी स्कैन की अनुमति दी गई। अनुमति मिलने के बाद कलेक्टर रजत बंसल और जिला प्रशासन की पहल पर जिला अस्पताल में सिटी स्कैन मशीन स्थापित की गई। अस्पताल में सीटी स्कैन सुविधा नहीं होने पर न केवल गंभीर मरीजों को बल्कि छोटी मोटी दुर्घटना में सिर पर चोट लगने पर सीटी स्कैन कराने निजी अस्पताल में रिफर करना पड़ता था।

जिला अस्पताल के आपातकाल चिकिस्ता विभाग में लगाए गए सीटी स्कैन मशीन तथा संबंधित चिकित्सा उपकरणों की लागत 2 करोड़ 98 लाख रुपए है जो कि जर्मनी से मंगाया गया है। यह जिले में स्थापित पहला मशीन हैं। जिसका त्वरित लाभ मरीजों को मिलेगा।

सीटी स्कैन या कम्प्यूटराइज्ड टोमोग्राफी एक्स-रे का एक रूप होता है, जिसे कम्प्यूटराइज एक्सीयल टोमोग्राफी भी कहा जाता है। यह शरीर के अंगों के चित्र को दिखाता है। अधिकतर सीटी स्कैन शरीर के विभिन्न अंगों से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों का पता लगाने के लिए किया जाता है। इसकी मदद से शरीर के विभिन्न भागों में नरम उतको, रक्त वाहिकाओं और हड्डियों को दिखा सकते हैं। सिटी स्कैन मशीन में शरीर के अंदर के कई अंदरूनी भागों जैसे सिर, कंधों, रीढ़ की हड्डियों, दिल, पेट, घुटना, छाती सहित अन्य अंदरूनी हिस्सों को सिटी स्कैन की मदद से जानकारी मिल जाती है।

जिला अस्पताल के बाहरी मार्ग पर लम्बे समय से लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया है। कलेक्टर रजत बंसल ने जिला अस्पताल पहुंच अतिक्रमण हटाने और जिला अस्पताल परिसर पर साफ सफाई करने के निर्देश दिए। ताकि आने वाले मरीजों को उचित समय पर राहत मिल सके।

उक्त निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ गोपाल वर्मा,सिविल सर्जन डॉ राजेश अवस्थी,सीएचएमओ डॉ महिस्वर सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

सप्ताह में 05 दिन अण्डा एवं 1071 बच्चों को सोयाबड़ी

कुपोषण दूर करने हेतु किया जा रहा है आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को अण्डा वितरण करने का अभिनव प्रयास

बालोद. मुख्यमंत्री के मंशानुरूप बालोद जिले में नन्हे-मुन्हे बच्चों को कुपोषण की समस्या से शत प्रतिशत निजात दिलाने हेतु कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार बालोद जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं। बालोद जिले को पूरी तरह से कुपोषण मुक्त बनाने हेतु जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को गरम पौष्टिक भोजन के साथ-साथ अण्डा एवं चिक्की वितरण आदि सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। इसके साथ ही इस कार्य को जन अभियान बनाकर इस कार्य में समाज की सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के विशेष पहल पर जिला खनिज न्यास निधि से जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों के कुल 6867 कुपोषित बच्चों को सप्ताह में 05 दिन उबला अण्डा एवं अण्डा नहीं खाने वाले 1071 कुपोषित बच्चों को सोयाबड़ी प्रदान किया जा रहा है। बालोद जिले में जिला प्रशासन के इस अभिनव प्रयासों का बहुत ही अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी निरंतर आंगनबाड़ी केन्द्र में प्रतिदिन निरीक्षण कर इस कार्य की सतत् मॉनीटरिंग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों के कुपोषित बच्चों के लिए जिला खनिज न्यास निधि से अण्डा वितरण कार्य का शुभारंभ 07 नवम्बर को किया गया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया, संसदीय सचिव श्री कुंवर सिंह निषाद एवं विधायक संजारी-बालोद श्रीमती संगीता सिन्हा ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आयोजित समारोह में उपस्थित होकर इस योजना का विधिवत् शुभारंभ किया।

आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को नियमित रूप से सप्ताह में 05 दिन उबला अण्डा और सोयाबीन बड़ी तथा पौष्टिक भोजन खिलाए जाने के फलस्वरूप कुपोषण मुक्ति अभियान में इसका शीघ्र परिणाम भी दिखने लगा है। इस अभियान की सफलता का परिणाम है कि वर्तमान में जिले के 6619 बच्चे कुपोषण से मुक्त हो गए हैं। ज्ञातव्य हो कि कुपोषित बच्चों को पर्याप्त पोषण आहार के साथ-साथ अतिरिक्त प्रोटिन व कैलोरी की भी आवश्यकता होती है। जिससे उनका समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास हो सके।

बाल विकास परियोजना डौंण्डी-2 के अंतर्गत सभी 6 सेक्टर मे 01 वर्ष से 06 वर्ष के सभी कुपोषित बच्चो को 07 नवम्बर 2022 से सप्ताह मे पांच दिन अंडा प्रदान किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सेक्टर घोटिया के केन्द्र सिघोला क्रमांक 03 मे जुड़वा बच्चो को अंडा दिया जा रहा था जिससे दोनो का वजन माह नवम्बर 2022 मे 11.00 कि.ग्रा. से बढकर वर्तमान मे 11.500 हो गया।

शैक्षणिक संस्थाओं को बचाओ, चौपाटी हटाओ

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा साइंस कॉलेज के सामने अनिश्चितकालीन धरना दिया जा रहा हैं भारतीय जनता पार्टी का आरोप है की कांग्रेस सरकार के संरक्षण में नगर पालिका निगम रायपुर द्वारा जी ई रोड स्थित साइंस कालेज मैदान पर नियम विरूद्ध बिना किसी सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के चौपाटी का निर्माण कर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा व नशा खोरी का अड्डा बनाने का प्रयास किया जा रहा है। एवं युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। जिसका भारतीय जनता पार्टी धरना के माध्यम से पुरजोर विरोध करते नजर आ रही हैं भारतीय जनता पार्टी ने यह भी आरोप लगाया है की नगर पालिका निगम द्वारा विकास योजना के प्रावधानों के अनुसार नगर तथा ग्राम निवेश विभाग से बिना किसी स्वीकृति के निर्माण करना स्मार्ट सिटी योजना के अंर्तगत केन्द्र सरकार के पैसों का दुरूपयोग करते हुए ह॥53 की 67 मीटर की आरक्षित भूमि का उपयोग कर चौपाटी का निर्माण किया जा रहा है शासन के आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय के आदेश क्र. 1793/2017/ पर्यानि.प्र. 2002 दिनांक 10-12-2002 का उलंघन किया जा रहा है मंत्रालय द्वारा आदेशित पत्र के 754/32/09 दिनांक 03-02-2010 के तहत कलेक्टर को स्पष्ट निर्देशित है कि अवैध निर्माण पर तत्काल कार्यवाही की जाए परन्तु कलेक्टर द्वारा आंख मूंद कर अवैध चौपाटी निर्माण का समर्थन किया जा रहा है उक्त सम्पूर्ण क्षेत्र शैक्षणिक केन्द्र के रूप से जाना जाता है जिसके अन्तर्गत रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय ,विप्र कॉलेज एन आई टी कॉलेज आयुर्वेदिक कॉलेज नालंदा परिसर, पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम एवं सेंट्रल लाइब्रेरी आदि शैक्षणिक संस्थान जिसमे हजारों की संख्या में छात्र छात्राएं अध्ययन करने आते है जिसके लिए स्वच्छ वातावरण की आवश्यकता होती है परन्तु चौपाटी के निर्माण से अपराधिक प्रवृत्तियों के लोगों का जमावड़ा रहेगा जिससे छात्राओं के साथ छेड़छाड़ एवं अप्रिय घटना के होने की सम्भावना बनी रहेगी इन सब बातों को लेकर के भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेसी खिलाफ मोर्चा खोलते हुए हल्लाबोला

महान महिला का किरदार निभाएंगी फर्जी में राशि खन्ना

अभिनेत्री राशि खन्ना, राज और डीके की फर्जी के साथ इस साल अपनी पहली अखिल भारतीय रिलीज के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वो एक महान महिला का किरदार निभा रही हैं। फर्जी के बाद अभिनेत्री की धर्मा प्रोडक्शन की पहली फिल्म योद्धा आएगी।

फर्जी से राशी का पहला लुक जारी करते हुए, निर्माताओं ने पुरुषों की दुनिया में महिला का परिचय दिया है।

आत्मविश्वास के साथ मुस्कराते हुए, राशी खन्ना ने पोस्टर में हेडस्ट्रॉन्ग, बॉस लेडी वाइब्स दिए हैं।

फर्जी के पोस्टर के बारे में बात करते हुए, राशि खन्ना ने साझा किया, फर्जी हमारे प्यार का श्रम है और जीवन में मेरी सबसे खास भूमिकाओं में से एक रही है। पोस्टर पूरी तरह से मेरे चरित्र की ताकत, शक्ति और आत्मविश्वास का अनुकरण करने की कोशिश करता है। साथ ही पोस्टर पुरुषों के वर्चस्व वाली दुनिया में अपनी जमीन पर टिकी महिला के रूप में उसका रास्ता बनाता है।

आगे अपने पोस्टर के बारे में अभिनेत्री ने कहा, वह एक सशक्त महिला हैं और राज और डीके के प्रबल नारीवाद का प्रमाण हैं। मैं दर्शकों के सामने फर्जी की दुनिया को उजागर करने के लिए उत्साहित हूं।

रायपुर के साइंस कालेज मैदान में आयोजित होने वाली जन अधिकार महारैली में सम्मिलित होने पहुंची। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस की प्रभारी कुमारी शैलजा चौधरी का सैय्यद सैफउल्लाह शाह महासचिव दक्षिण विधानसभा ने उनका स्वागत किया।

नई सुविधाएं नए प्रबंधन
बेहतर हुआ शहरी जीवन

R.O.-12270/53

185
स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूलों में सभी वर्ग के
1.5 लाख बच्चों को शिक्षा

35 लाख
लोगों को महंगी दवाइयों पर मिली
65 करोड़ रु की राहत

15 लाख से ज्यादा
लाइसेंस व परिवहन सम्बंधित दस्तावेजों की
डाक द्वारा घर पर डिलीवरी

400 यूनिट तक
बिजली बिल हाफ

35 लाख से ज्यादा
लोगों का मोबाइल क्लीनिकों
से हुआ मुफ्त इलाज

2.5 लाख से अधिक
नए नल कनेक्शन

1 लाख
आवासों का निर्माण
मोर जमीन मोर मकान के अंतर्गत

30% की कमी
रजिस्ट्री गाइडलाइन दरों में

5,000 वर्ग फीट
तक के मकान निर्माण
की सीधी अनुमति

नियमितीकरण
आवासीय व गैर आवासीय भवनों का

छोटे भू-खण्डों
पर रजिस्ट्री फिर प्रारंभ

35,000
लोगों के घर पर पहुंचे शासकीय दस्तावेज

टोल फ्री नं.14545
पर अब बनेगा पैन कार्ड भी

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

स्वर्गीय श्रीमती उमा देवी मिश्रा (गिरजा देवी)
स्वर्गवास दिनांक 09 जनवरी 2023

शोकाकुल परिवार
उगता छत्तीसगढ़ सम्पादक
पति अमरधारी मिश्रा

बेटा बहु
आशीष गीता मिश्रा
मनीष ममता मिश्रा
विकास रोमा मिश्रा
बेटी दामाद
नवीन सीमा दुबे

राज, संजय,
हर्ष, वंस,
कृष्णा, राम,
रानी

हे ईश्वर उनकी आत्मा को शांति एवं परिजनों तथा शुभचिंतकों को संबल प्रदान करें।